सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व जीतना इतना भी आसान नहीं पेज: 7

सुंदर सी की फिल्म पुरुषन में नजर आएंगी तमन्ना भाटिया पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 290 | शुक्रवार 30 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

यूजीसी नए नियमों पर ब्रेक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भाजपा ने किया स्वागत

यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी.....

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूजीसी के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही अदालत ने यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि तब तक 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे।

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के फैसले का स्वागत किया है। भाजपा नेताओं ने इसे संविधान, सामाजिक समरसता और सनातन मूल्यों की रक्षा से जुड़ा अहम निर्णय बताया, वहीं विपक्षी दलों पर इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। गिरिराज सिंह बोले- सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सनातन को बांटने वाले यूजीसी के नियम पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से रोक लगाए जाने पर हार्दिक आभार। यह निर्णय भारत की सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों की रक्षा की दिशा में अहम है। मोदी सरकार की पहचान सबका साथ, सबका विकास और सनातन की अखंड एकता है। निशिकांत दुबे का विपक्ष पर हमला भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, यूजीसी पर गाली देने वाले सभी ज्ञानी, मैं पिछले 2 दिनों से संसद जा रहा हूं, किसी राजनीतिक दल के किसी सदस्य ने इस पर चर्चा तक करना मुनासिब नहीं समझा। उल्टा, जिस सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण देकर गरीबों की सुध ली, उसी को गाली दी जा रही है। संविधान के दायरे में ही होंगे कानून: दुबे निशिकांत दुबे ने आगे कहा, मैं दोबारा आपसे करबद्ध निवेदन करता हूं कि मोदी जी पर भरोसा रखिए। संविधान की धारा 14 और 15 के तहत ही देश के कानून चलेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने वही किया, जो मैंने कहा था। यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूजीसी के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही अदालत ने यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि तब तक 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे। दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई की। चीफ जस्टिस ने कहा कि नए रेगुलेशन में इस्तेमाल किए गए शब्दों से दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने टिप्पणी की कि अदालत समाज में एक निष्पक्ष और समावेशी माहौल बनाए रखने के दृष्टिकोण से इस मामले पर विचार कर रही है।

ममता बनर्जी सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगी

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह सोमवार शाम को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल को दो फरवरी को शाम चार बजे मिलने का समय दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा था कि वह राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ जल्द ही दिल्ली जाएंगी। बनर्जी ने एसआईआर के नाम पर लोगों का अकथनीय उत्पीड़न करने के लिए निर्वाचन आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया। उन्होंने सिंगूर में बुधवार को आरोप लगाते हुए कहा कि यह अभ्यास एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) लागू करने के बहाने किया

केरल का बजट पर सीएम पिनाराई विजयन का बड़ा दावा, 'समाज के हर वर्ग को मिली है बड़ी राहत'

नई दिल्ली एजेंसी: केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया राज्य बजट जनहितैषी है और इसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों को मजबूत करते हुए व्यापक विकास सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक बयान में विजयन ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने पिछले एक दशक में केरल को एक आधुनिक, विकसित मध्यम-आय वाले समाज में बदलने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जो 2022 की 14वीं पंचवर्षीय योजना में निर्धारित लक्ष्य है। विजयन ने कहा कि पिछले दस वर्षों से, एलडीएफ सरकार केरल को एक आधुनिक, विकसित मध्यम-आय वाले समाज में बदलने के लिए प्रयासरत है। यह उद्देश्य 2022 की 14वीं पंचवर्षीय योजना में परिभाषित किया गया था। ऐसे मध्यम-आय वाले समाज को दो स्तंभों पर खड़ा होना चाहिए। पहला, हमारे संविधान में परिकल्पित निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप जनता के लिए एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण करना। दूसरा, पूंजी निवेश बढ़ाकर और बुनियादी ढांचे का विकास करके आर्थिक विकास को गति देना। आंकड़े बताते हैं कि केरल इन दोनों लक्ष्यों की ओर तेजी से प्रगति कर रहा है। इसके अलावा, आज के बजट में प्रस्तुत प्रस्तावों के त्वरित कार्यान्वयन से राज्य में व्यापक प्रगति संभव हो सकेगी। कुछ वर्गों ने आरोप लगाया है कि बजट में घोषित प्रस्ताव वे हैं जिन्हें पिछले दस वर्षों में लागू नहीं किया जा सका। मुख्यमंत्री ने इन दावों को निरर्थक और सरासर निराशा से उपजा हुआ बताया। उन्होंने कहा कि कई परियोजनाएं जिन्हें कभी असंभव मानकर खारिज कर दिया गया था, वास्तव में पिछले दशक में साकार हो चुकी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग विकास और विझिंजम बंदरगाह के दूसरे चरण जैसी पहलें इस प्रगति के स्पष्ट उदाहरण हैं, जिन्हें नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता। केरल मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि बजट में पेंशन के बकाया का भुगतान किया गया है और कल्याण, शिक्षा, रोजगार और गिग वर्कर्स को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट श्रमिकों, किसानों, मध्यम वर्ग, सरकारी कर्मचारियों और व्यापार एवं औद्योगिक समुदाय सहित समाज के सभी वर्गों को राहत प्रदान करता है।

बिहार की महिलाओं के लिए अच्छी खबर, नीतीश सरकार देगी 2 लाख, बनेंगी आत्मनिर्भर उद्यमी

बिहार एजेंसी: बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम राज्य सरकार द्वारा लाभार्थियों के खातों में अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रारंभिक तौर पर 10,000 रुपये की राशि हस्तांतरित करने के छह महीने बाद उठाया गया है। अब अतिरिक्त राशि उनके व्यवसायों की सफलता के आधार पर दी जाएगी। अब तक 15 लाख से अधिक महिलाएं इस योजना का लाभ उठा चुकी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर योजना के दूसरे चरण की घोषणा करते हुए कहा कि राशि दो चरणों में दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि आप सभी को पता है कि हमलोगों ने राज्य की महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना प्रारंभ की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि प्रत्येक परिवार की एक महिला उद्यमी के रूप में स्थापित हो सके। इस योजना के प्रथम चरण में प्रत्येक परिवार की एक महिला को 10 हजार रु० की राशि प्रदान की गई है। अब तक 1 करोड़ 56 लाख लाभुकों के खाते में डी०बी०टी० के जरिए राशि अंतरित कर दी गई है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शेष आवेदकों को भी नियमानुसार डी०बी०टी० के माध्यम से उनके खाते में शीघ्र ही राशि भेज दी जाएगी। उन्होंने आग कहा कि इस योजना में महिलाओं द्वारा रोजगार शुरू करने के 6 माह बाद आकलन करते हुए आवश्यकतानुसार 2 लाख रु० तक की अतिरिक्त सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत चयनित लाभुकों को 2 लाख रु० तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

यह राशि चरणों में दी जाएगी बशर्ते कि पूर्व में दी गई राशि का रोजगार करने हेतु सदुपयोग किया गया हो। अच्छा रोजगार चलने की स्थिति में आवश्यकतानुसार एकमुश्त राशि भी दी जा सकेगी। नीतीश ने कहा कि विभाग को निदेश दिया गया है कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनान्तर्गत लाभुकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की मार्केटिंग की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

राष्ट्रपति अभिभाषण पर 18 घंटे की महाबहस, 4 फरवरी को जवाब देंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: सरकार ने बजट सत्र के दौरान संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के लिए 18 घंटे आवंटित किए हैं। यह चर्चा 2, 3 और 4 फरवरी को होगी। यह निर्णय गुरुवार को लोकसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देंगे। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा में 2026-27 के केंद्रीय बजट पर 5, 9, 10 और 11 फरवरी को सामान्य चर्चा होगी। इस चर्चा के लिए कुल 18 घंटे आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 11 फरवरी को उत्तर दिए जाने की संभावना है। मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एमजीएनआरईजीए की बहाली, मतदाता सूची के चल रहे एसआईआर और यूजीसी विवाद सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने का आग्रह किया। इस बीच, लोकसभा गुरुवार दोपहर को स्थगित कर दी गई और 1 फरवरी को सुबह 11:00 बजे फिर से बैठक करेगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने आज संसद में 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए भारत का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया, जिससे केंद्रीय बजट के लिए मंच तैयार हो गया, जिसे रविवार, 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। इस वर्ष, बजट प्रस्तुति सप्ताहांत में पड़ रही है। वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवां केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारत के संसदीय और आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बजट से पहले आर्थिक सर्वेक्षण पेश करना भविष्य की राजकोषीय योजनाओं का विवरण देने से पहले अर्थव्यवस्था की स्थिति को रेखांकित करने की दीर्घकालिक परंपरा का अनुसरण करता है। भारत का आर्थिक सर्वेक्षण देश की अर्थव्यवस्था पर आधिकारिक वार्षिक "रिपोर्ट कार्ड" माना जाता है। यह पिछले वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन की व्यापक, आंकड़ों पर आधारित समीक्षा प्रदान करता है

अजित पवार के निधन से रिक्त हुए स्थान की जल्द भरपाई संभव नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन से राज्य की राजनीति में ऐसा शून्य उत्पन्न हो गया है, जिसे जल्द भर पाना संभव नहीं होगा। शाह ने बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुखअजित पवार (66) के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पवार को लोकप्रिय रूप से दादा (बड़े भाई) के नाम से जाना जाता था। पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार को एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पवार का आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ विद्या प्रतिष्ठान कॉलेज के मैदान में अंतिम संस्कार किया गया। यह कॉलेज पवार परिवार द्वारा स्थापित किया गया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, अजित पवार जी के अंतिम दर्शन कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। समाज और जनता के लिए समर्पित अजित पवार जी के असामयिक निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसी शून्यता उत्पन्न हुई है, जिसकी भरपाई लंबे समय तक संभव नहीं होगी। यह दुर्घटना बारामती हवाई अड्डे के पास उस समय हुई जब विमान लैंडिंग का प्रयास कर रहा था।

यूजीसी के विवादित नियमों पर सुप्रीम कोर्ट का 'स्टे', अखिलेश यादव बोले- कानून का उद्देश्य स्पष्ट हो

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूएनआई) के नए समानता संबंधी नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक का स्वागत किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि न्यायालय ने यह सुनिश्चित किया है कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा, क्योंकि वे एक अधिक एकीकृत समाज के लिए प्रयासरत हैं। अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सच्चा न्याय किसी के साथ अन्याय नहीं करता; माननीय न्यायालय ने ठीक यही सुनिश्चित किया है। कानून की भाषा स्पष्ट होनी चाहिए, और उसका उद्देश्य भी स्पष्ट होना चाहिए। यह केवल नियमों की बात नहीं है, बल्कि उद्देश्य की भी बात है। किसी पर अत्याचार न हो, किसी के साथ अन्याय न हो। किसी पर जुल्म या अत्याचार न हो, किसी के साथ अन्याय न हो। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 में सामान्य वर्ग के खिलाफ कथित "भेदभाव" को लेकर देश भर में मचे बवाल के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इन विनियमों पर रोक लगा दी। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि फिलहाल 2012 के यूजीसी विनियम लागू रहेंगे। न्यायालय ने कहा कि विनियम 3 (सी) (जो जाति-आधारित भेदभाव को परिभाषित करता है) में पूरी तरह अस्पष्टता है और इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा, "भाषा में संशोधन की आवश्यकता है।" 23 जनवरी को अधिसूचित नए यूजीसी विनियमों को विभिन्न याचिकाकताओं ने 'मनमाना, बहिष्करणकारी, भेदभावपूर्ण' बताते हुए और संविधान तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 का उल्लंघन करने वाला बताते हुए चुनौती दी थी। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए लागू किए गए नए नियमों के तहत संस्थानों को अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों की शिकायतों के समाधान के लिए विशेष समितियां और हेल्पलाइन स्थापित करने की आवश्यकता है।

यूजीसी विनियम 2026 पर क्यों मचा है बवाल? जानिए कैसे 2012 के नियम सभी छात्रों को देते हैं एक समान सुरक्षा कवच

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने इस रेगुलेशन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने अब केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बड़ा फैसला सुनाते हुए यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के उन नए नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाए गए थे। कोर्ट ने इन नियमों में भेदभाव की परिभाषा को 'अस्पष्ट' और 'विवादास्पद' माना है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने इस रेगुलेशन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने अब केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट इस बात की जांच करेगा कि क्या ये नियम समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) और शिक्षा के अधिकार के संवैधानिक ढांचे के अनुरूप हैं या नहीं। विवाद की जड़: 'जाति आधारित भेदभाव' की परिभाषा 23 जनवरी 2026 को अधिसूचित इन नए नियमों के रेगुलेशन 3 (सी) को याचिकाओं में चुनौती दी गई थी। विवाद के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं: बहिष्करण का आरोप: नए नियमों में 'जाति-आधारित भेदभाव' को केवल एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों तक सीमित कर दिया गया था। सामान्य श्रेणी की अनदेखी: याचिकाकताओं का तर्क है कि इस परिभाषा ने प्रभावी रूप से 'सामान्य' या गैर-आरक्षित श्रेणियों के छात्रों को संस्थागत सुरक्षा से बाहर कर दिया है। यदि किसी सामान्य श्रेणी के छात्र को उसकी जाति पहचान के कारण उत्पीड़न झेलना पड़ता है, तो नए नियमों के तहत उसके पास शिकायत निवारण का कोई रास्ता नहीं बचता। संवैधानिक उल्लंघन: नियमों को मनमाना और संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया गया है। भारत की वित्तीय विकास गाथा में भाग लें मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा:- कोर्ट ने कहा, हम बस इसे संवैधानिकता और वैधता की कसौटी पर जांच रहे हैं। कोर्ट ने कहा, भाषा को फिर से संशोधित करने की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा, हम शैक्षणिक संस्थानों में स्वतंत्र, न्यायसंगत और समावेशी माहौल चाहते हैं। कोर्ट ने कहा, भारत की एकता हमारे शैक्षणिक संस्थानों में झलकनी चाहिए। इससे पहले बुधवार को, ज्यादातर सामान्य श्रेणी के छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में नए अधिसूचित यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के इक्विटी नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, और उन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने दावा किया कि ये नियम समानता के बजाय कैंपस में भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य श्रेणी के छात्रों के प्रतिनिधित्व के लिए कोई बाध्यकारी प्रावधान नहीं है। इससे पहले, रायबरेली के सलोन निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर त्रिपाठी ने नई यूजीसी नीतियों पर असंतोष जताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में अपने इस्तीफे की घोषणा की। हिंदी में लिखे पत्र में यह लिखा था "ऊंची जाति के बच्चों के खिलाफ लाए गए आरक्षण बिल जैसे काले कानून की वजह से मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं। यह कानून समाज के लिए बहुत खतरनाक और बांटने वाला है। मैं इस बिल से पूरी तरह असंतुष्ट हूं। लोगों में बहुत गुस्सा है। मैं इस आरक्षण बिल का समर्थन नहीं करता। ऐसे अनैतिक बिल का समर्थन करना मेरे आत्म-सम्मान और विचारधारा के बिल्कुल खिलाफ है। यूजीसी नियम 2012 बनाम 2026: मुख्य तुलना यूजीसी के पुराने और नए नियमों के बीच के अंतर को समझना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही विवाद की मुख्य जड़ है।

संपादकीय

भारत-यूरोप 'मदर डील'

अंततः भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया। करीब 19 साल की माथापच्ची, उधेड़बुन, असमंजस, सवाल समाप्त हुए और दोनों लोकतांत्रिक शक्तियां ह्यमदर डीलह्ल पर सहमत हुईं। आपस में हस्ताक्षर कर दिए गए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने इस सर्वाधिक व्यापक ह्यमुक्त व्यापार समझौतेह्ल (एफटीए) की घोषणा कर नई विश्व-व्यवस्था की बुनियाद रख दी। व्यापक और विश्व व्यवस्था परिवर्तनकारी इसलिए माना जा सकता है, क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक एफटीए के दायरे में होगी। भारत-यूरोप की अर्थव्यवस्था दुनिया की जीडीपी की 25 फीसदी है और दुनिया का एक-तिहाई व्यापार दोनों के बीच है, जिसे 2032 तक 40 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय संघ विश्व की दूसरी (27 देशों को मिला कर) और भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा यह ह्यमदर डीलह्ल ही है। इस एफटीए से अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की ह्यटैरिफ दादागीरीह्ल का बड़ा रचनात्मक और शालीन जवाब दिया गया है। इसके अलावा, चीन के समानांतर भारत को ह्यइनोवेशन एंड मैन्यूफैक्चरिंग हबह्ल बनाने का लक्ष्य तय कर चीनी वर्चस्व को भी चुनौती दी गई है, लिहाजा वाकई यह ह्यमदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्सह्ल है। चीन में करीब 1700 यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं। क्या अब वे भारत शिफ्ट हो सकती हैं? इसकी प्रबल संभावना बन गई है। गौरतलब यह है कि जब 2027 में यह एफटीए यूरोप के सभी 27 देशों में लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 फीसदी से अधिक उत्पाद, सामान या तो ह्यटैरिफ-मुक्तह्ल होंगे अथवा रियायती शुल्क ही देना पड़ेगा। मसलन- जैतून का तेल, वनस्पति तेल, ऑप्टिकल उपकरण, मशीनरी, रासायनिक एवं सर्जिकल उपकरण, फार्मा (खासकर जेनेरिक दवाएं), वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, चॉकलेट, पास्ता आदि लंबी सूची है। अधिकतर उत्पादों और उपकरणों को ह्यटैरिफ-मुक्तह्ल तय किया गया है। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर के यूरोपीय बाजार में 2030 तक भारतीय उत्पादों का निर्यात 300 अरब डॉलर तक ले जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल

02 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया। गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?'

जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

कुष्ठ रोग के खिलाफ सरकार की निर्णायक लड़ाई, जागरूकता, इलाज और सम्मान की ओर भारत

कांतिलाल मांडोत

कुष्ठ रोग जिसे हैनसेन रोग भी कहा जाता है, मानव इतिहास की सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज भी यह बीमारी केवल स्वास्थ्य की नहीं बल्कि सामाजिक सोच की भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से ज्यादा उस भेदभाव, उपेक्षा और सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है, जो अज्ञानता और भय से जन्म लेता है। इसी सोच को बदलने और समाज को यह संदेश देने के लिए कि कुष्ठ रोग पूरी तरह इलाज योग्य है, भारत में हर वर्ष 30 जनवरी को राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है। यह दिन महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवन में कुष्ठ रोगियों के साथ न केवल सहानुभूति दिखाई बल्कि उनके सम्मान और पुनर्वास के लिए भी लगातार काम किया।

विश्व स्तर पर कुष्ठ रोग जागरूकता दिवस जनवरी के अंतिम रविवार को मनाया जाता है, जिसकी शुरूआत वर्ष 1954 में फ्रांसीसी मानवतावादी राउल फोलेरो ने की थी। भारत में इसे 30 जनवरी को मनाने का उद्देश्य गांधीजी के मानवीय मूल्यों और कुष्ठ रोगियों के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करना है। यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकार और समाज दोनों के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम वास्तव में कुष्ठ रोग से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त कर पा रहे हैं या नहीं।

आज के भारत की बात करें तो कुष्ठ रोग की स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में इस समय लगभग 80 से 90 हजार सक्रिय कुष्ठ रोगी उपचाराधीन हैं। हर वर्ष करीब एक लाख से थोड़ा अधिक नए मामले सामने आते हैं, जो कुल वैश्विक मामलों का लगभग आधे से ज्यादा हिस्सा है। हालांकि यह आंकड़ा सुनने में बड़ा लग सकता है, लेकिन जनसंख्या के अनुपात में देखें तो भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग उन्मूलन की स्थिति हासिल कर ली है। इसका अर्थ यह है कि देश में प्रति दस हजार की आबादी पर एक से कम सक्रिय मामला है। फिर भी सरकार मानती है कि जब तक एक भी व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित है और सामाजिक भेदभाव का शिकार है, तब तक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ माना जा सकता।

भारत सरकार पिछले कई दशकों से कुष्ठ रोग के खिलाफ सुनियोजित और निरंतर प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सरकार का मुख्य जोर रोग की शीघ्र पहचान, समय पर मुफ्त इलाज और विकलांगता की रोकथाम पर है। कुष्ठ रोग का इलाज मल्टी ड्रग थेरेपी के माध्यम से किया जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से देशभर में पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। यह इलाज न केवल रोग को ठीक करता है बल्कि संक्रमण को आगे फैलने से भी रोकता है। सरकार का यह स्पष्ट संदेश है कि कुष्ठ रोग कोई अभिशाप नहीं बल्कि एक सामान्य बैक्टीरियल संक्रमण है, जिसका समय पर इलाज होने पर व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकता है।

बीते कुछ वर्षों में सरकार ने कुष्ठ रोग की पहचान को और मजबूत करने के लिए कई नए कदम उठाए हैं। घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना, उच्च जोखिम वाले इलाकों में विशेष खोज अभियान चलाना और संपर्क में आए लोगों की जांच करना इन प्रयासों का हिस्सा है। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि और शिक्षक भी इस अभियान से जोड़े गए हैं, ताकि कोई भी संदिग्ध मामला छूट न जाए। सरकार का मानना है कि शुरूआती चरण में रोग की पहचान हो जाने से न केवल इलाज आसान होता है बल्कि स्थायी विकलांगता की संभावना भी लगभग समाप्त हो जाती है।

केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारें भी कुष्ठ रोग के खिलाफ अपनी भूमिका निभा रही हैं। कई राज्यों ने कुष्ठ रोग को अधिसूचित बीमारी घोषित किया है, जिससे हर मामले की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो गई है। इससे आंकड़ों की पारदर्शिता बढ़ी है और इलाज की पहुंच बेहतर हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को आयुष्मान भारत और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी समय पर इलाज मिल सके। विशेष रूप से आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों पर सरकार का अतिरिक्त फोकस है, जहां आज भी जागरूकता की कमी के कारण रोग देर से पकड़ में आता है।

सरकार की नीति केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन भी इसका अहम हिस्सा है। कुष्ठ रोग से ठीक हो चुके लोगों के लिए कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का यह प्रयास है कि रोग से मुक्त होने के बाद व्यक्ति को समाज में दोबारा स्वीकार किया जाए और उसे किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना न करना पड़े। इसी दिशा में भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए भी काम किया जा रहा है।

कुष्ठ रोग निवारण में जागरूकता की भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस दौरान देशभर में जनसभाएं, स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों में कार्यक्रम और मीडिया के माध्यम से लोगों को यह बताया जाता है कि त्वचा पर सफेद या लाल चकत्ते, सुन्नपन या नसों में कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। नूंह जिले में इस वर्ष भी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है, ताकि एक भी मरीज इलाज से वंचित न रहे।

सरकार की प्रासंगिकता आज इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि सामाजिक सोच बदलने का काम केवल कानून या योजनाओं से नहीं होता। इसके लिए निरंतर संवाद, शिक्षा और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। सरकार का प्रयास है कि कुष्ठ रोग को लेकर फैली भ्रांतियों को खत्म किया जाए और यह समझ विकसित की जाए कि रोगी नहीं बल्कि बीमारी से लड़ना है। जब समाज रोगियों को अपनाता है, तभी सरकार की योजनाएं भी पूरी तरह सफल हो पाती हैं। आज जब हम राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मना रहे हैं, तब यह जरूरी है कि हम केवल आंकड़ों और योजनाओं तक सीमित न रहें। हमें यह समझना होगा कि कुष्ठ रोग के खिलाफ लड़ाई केवल स्वास्थ्य विभाग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। सरकार ने अपनी भूमिका निभाते हुए मुफ्त इलाज, जागरूकता अभियान और पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था खड़ी की है। अब समाज की बारी है कि वह भेदभाव को त्यागे और कुष्ठ रोग से प्रभावित हर व्यक्ति को सम्मान और समानता का अधिकार दे। यही इस दिवस का असली संदेश है और यही एक स्वस्थ, संवेदनशील और समावेशी भारत की पहचान भी।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: आत्मनिर्भर भारत की विकास का नया अध्याय

भारत की आर्थिक विकास यात्रा केवल आँकड़ों और बजट घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राष्ट्र की जीवंत कथा है जो निरंतर संघर्ष,नवाचार और आत्मविश्वास के सहारे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को मजबूत करता जा रहा है।वित्त मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है,जो न केवल देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करता है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।आर्थिक सर्वेक्षण किसी भी देश के लिए एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियाँ, आर्थिक सुधारों की दिशा और आने वाले वर्षों की विकास रणनीति प्रतिबिंबित होती है। वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण भारत की उस परिवर्तनशील तस्वीर को सामने लाता है,जहाँ देश तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर में निरंतर मजबूती देखी गई है। विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,कृषि,डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढाँचे में हो रहे तीव्र निवेश ने भारत की विकास गति को नई ऊर्जा दी है। आर्थिक सर्वेक्षण यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

इस सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों और सुधारों का विशेष उल्लेख है, जिन्होंने निवेश वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया है। 'मेक इन इंडिया' ,'आत्मनिर्भर भारत', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' .जैसी पहलों ने भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से वैश्विक मंदी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भी मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 देश की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण करता है और भविष्य के संभावित विकास मार्ग को स्पष्ट करता है।यह दस्तावेज न केवल आंकड़ों का संकलन है,बल्कि नीति निर्धारण और रणनीतिक सोच का मार्गदर्शक भी है।मैंने अपने इस आलेख में मुख्यतः जी डी पी विकास दर, प्रमुख आर्थिक सेक्टरों के योगदान और सतत विकास की चुनौतियों पर चर्चा की जा रही है। भारत की जी डी पी विकास दर एक सकारात्मक परिदृश्य प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण और सरकारी अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक विकास दर करीब 7.4% रहने का अनुमान है,जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गतिशीलता दर्शाता है।यह अनुमान सांख्यिकी मंत्रालय की प्रथम अग्रिम अनुमान रिपोर्ट से लिया गया है,जिसमें जी डी पी वृद्धि दर को 7.4% बताया गया है।इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने 6.3% से 6.8% की रेंज का अनुमान जताया था,लेकिन वास्तविक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों के आधार पर यह रफ्तार बढ़ी है।इस 7.4% वृद्धि दर का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनी हुई है,खासकर जब अन्य उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है।यह वृद्धि घरेलू खपत, निवेश,विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती के कारण संभव हुई है।आर्थिक ढाँचे की दृष्टि से जी डी पी की कुल वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख सेक्टरों के आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर आधारित हैं। इनके माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि केन्द्रित और संतुलित है, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों तक सीमित।सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्तंभ है।सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं का योगदान जी डी पी में सबसे ऊँचा रहा और यह क्षेत्र लगभग 9.9% की वृद्धि दर से आगे बढ़ा।इसमें वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट,पेशेवर सेवाएँ और प्रशासनिक सेवाएँ शामिल हैं। व्यापार,होटल,परिवहन और संचार जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी 7.5% से अधिक वृद्धि दर दर्ज की।यह उच्च वृद्धि इस बात को दशार्ती है कि भारत में घरेलू मांग मजबूत है और उपभोक्ता खर्च तथा डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग में वृद्धि ने अर्थव्यवस्था की धुरी को और मजबूत किया है।डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक शक्ति का नया आधार बन चुकी है।यूपीआई,डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और स्टार्टअप संस्कृति ने भारत को तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर किया है।डिजिटल सेवाओं का विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।भारत में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विकास भी संतोषजनक रहा है। इन दोनों सेक्टरों का संयुक्त वृद्धि दर लगभग 7.0% दर्ज किया गया है,जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की उत्पाद-आधारित वृद्धि में निरंतर सुधार हो रहा है। इसका विश्लेषण यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' पहल और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का असर वास्तविक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को मजबूत स्थिति प्रदान की है।निर्माण क्षेत्र में भी तेज गति से विस्तार हुआ है। आवास, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ,सड़क और रेलवे नेटवर्क का विकास भारत की आधारभूत संरचना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहा है। इससे न केवल निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।कृषि क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर लगभग 3.1% रही, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिरता का संकेत है।हालांकि कृषि का योगदान जी डी पी में सेवा और विनिर्माण की तुलना में कम है,इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण मांग का समर्थन,खाद्यान्न आपूर्ति की स्थिरता और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि कृषि क्षेत्र की विशेष भूमिका को दशार्ते हैं।सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने,सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार,कृषि तकनीक के उपयोग और ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के प्रयास इस क्षेत्र को भविष्य में और मजबूत करेंगे।उपयोगिता सेवाओं जैसे बिजली, गैस,जल आपूर्ति और संबंधित क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई है,हालांकि यह लगभग 2.1% रही।यह अपेक्षित है क्योंकि इस क्षेत्र की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी होती है।ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर भारत हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जी डी पी विकास दर के अलावा आर्थिक सर्वेक्षण ने कुछ अन्य प्रमुख संकेतक भी सामने रखे हैं, जो समग्र आर्थिक स्वास्थ्य को दशार्ते हैं। वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7.0% की वृद्धि दर्ज हुई,जो उपभोक्ता खर्च की उच्च गति का संकेत है।इसके अलावा स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग 7.8% की वृद्धि हुई, जो निवेश गतिविधियों में सुधार का सूचक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि न केवल उपभोक्ता मांग मजबूत है, बल्कि उद्योगों द्वारा पूंजीगत निवेश भी बढ़ रहा है,जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकारी निवेश 2018 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक लगभग 4.2 गुणा बढ़ा है।राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार,उच्च-गति मार्गों का निर्माण और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार अर्थव्यवस्था की सामयिक क्षमता को बढ़ा रहे हैं। इन बुनियादी ढाँचों के विस्तार से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, कारोबार में सुगमता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है,जो दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए केंद्रीय है।भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता अर्जित की है। पिछले वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति 4.9% के आसपास रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य के पास थी और यह आर्थिक स्थिरता का संकेत है। इसके अतिरिक्त विदेशी निवेश, निर्यात और व्यापार संतुलन में सुधार की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं,जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत हुई है। भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं।वैश्विक बाजार की अस्थिरता,ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव कुछ जोखिम कारक हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकते हैं।परंतु सरकार द्वारा लगातार नीतिगत सुधार,बाजार- सशक्तिकरण और निवेश-उन्मुख उपायों से इन जोखिमों को कम करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।संक्षेप में भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025- 26 यह स्पष्ट करता है कि भारत विश्व की प्रमुख तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।जी डी पी वृद्धि दर का 7.4% तक पहुँचना, सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्रों की मजबूती, कृषि की स्थिर प्रगति, निवेश एवं पूंजीगत व्यय की उच्च गति और बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय विस्तार यह दशार्ते हैं कि भारत ने आत्मिक विकास,आर्थिक संतुलन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के तीनों स्तंभों पर मजबूत प्रगति की है।

यह सर्वेक्षण केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सुधरे हुए, समावेशी और दीर्घकालिक विकास मार्ग का मार्गदर्शक है,जो आर्थिक निर्णयों, बजट नीतियों, निवेश योजनाओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है।आज भारत सफलता के पथ पर अग्रसर है,एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्षम है। विकसित भारत का सपना अब केवल लक्ष्य नहीं,बल्कि ठोस प्रयासों और निरंतर प्रगति के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

गजरौला में पत्नी की मौत के 5 मिनट बाद पति ने भी तोड़ा दम,एक साथ जलीं दोनों की चिंताएं

गंभीर बीमारी के चलते हुई दोनों की मौत,मेरठ व अमरोहा चल रहा था इलाज,परिवार में शोक

पति नीटू

पत्नी सपना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां पर पत्नी की मौत के 5 मिनट बाद पति ने दम तोड़ दिया। इस घटना से शोकाकुल परिवार सहित नगर एवं मोहल्लावासी भी अचंभित है। बताया जा रहा है कि दोनों पति-पत्नी पिछले तीन-चार महीने से गंभीर बीमारी से पीड़ित चल रहे थे जिनका इलाज मेरठ और अमरोहा में चल रहा था। दोनों पति-पत्नी की मौत से परिवार में शोक का माहौल व्याप्त है। बता दें कि पूरा मामला नगर के मोहल्ला बस्ती स्थित वार्ड नंबर 11 का है जहां पर बिजनौर जिले के लुहरपुरा निवासी नीटू अपनी पत्नी एवं परिवार के साथ किराए पर रहते थे। मामले की जानकारी देते हुए मृतक नीटू के बड़े बेटे शिवम ने बताया कि दोनों की तबीयत पिछले दो-तीन महीने से काफी खराब चल रही थी। दोनों की तबीयत खराब होने के चलते पिता का इलाज मेरठ के अस्पताल में चल रहा था वहीं माता का इलाज अमरोहा अस्पताल में चल रहा था। कुछ दिनों के इलाज के बाद उनको अस्पताल से छुट्टी मिल गई लेकिन मंगलवार की रात करीब 9:35 पर उनकी मौत हो गई। मां के निधन की सूचना जैसे ही उनके पिता को दी गई तो उसके 5 मिनट बाद ही उनके पिता की भी मौत हो गई। इसके अलावा आपको बता दे कि मृतक दोनों दंपति के तीन बेटे हैं तीनों गजरौला में मजदूरी करते हैं बड़े बेटे शिवम कुमार की शादी हो चुकी है उसके दो बच्चे हैं जबकि दो अन्य भाइयों की शादी नहीं हुई है। माता-पिता की एक साथ मौत के बाद तीनों बेटों के सर से माता-पिता का साया हट गया वहीं परिवार में भी पूरी तरह मातम पसरा हुआ है।

धनौरा में मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत नायाब तहसीलदार ने की 'नो मेपिंग' मतदाताओं की सुनवाई

धनौराअमरोहा (सब का सपना):- तहसील में मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं शुद्धिकरण अभियान के तहत नायाब तहसीलदार योगेश कुमार ने 'नो मैपिंग' श्रेणी के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं की सुनवाई की। इस दौरान नायब तहसीलदार योगेश कुमार ने दस्तावेजों की गहनता से जांच की। बता दें कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं शुद्धिकरण अभियान के तहत प्रशासन द्वारा सक्रियता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में गुरुवार को मंडी धनौरा तहसील परिसर में नायब तहसीलदार द्वारा 'नो मैपिंग' श्रेणी के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं की सुनवाई की गई। इसके अलावा आपको बता दें कि हाल ही में एसआईआर सिस्टम के जरिए मतदाता सूची की जांच की गई थी, इस तकनीकी जांच में ऐसे मतदाताओं को चिन्हित किया गया जिनकी मैपिंग स्पष्ट नहीं थी या जिनके निवास स्थान में तकनीकी विसंगतियां पाई गई थीं। सूची को त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने इन सभी संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी कर अपनी नागरिकता और निवास की सत्यता सिद्ध करने के निर्देश दिए थे। सुनवाई के दौरान नायाब तहसीलदार ने उपस्थित मतदाताओं के पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की गहनता से जांच की। योगेश कुमार ने बताया कि 'नो मैपिंग' श्रेणी में केवल उन्हीं लोगों को बुलाया गया है जिनके रिकॉर्ड संदिग्ध पाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पुख्ता दस्तावेजों के आधार पर ही पात्र व्यक्तियों का नाम सूची में बरकरार रखा जाएगा, जबकि अपात्र या फर्जी पाए जाने वाले नामों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाएगा।प्रशासन की इस सख्ती से 'नो मैपिंग' श्रेणी के लोगों में हलचल है। तहसील प्रशासन के अनुसार, यह अभियान लोकतंत्र में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उद्यान विभाग द्वारा एक्सपोर्ट प्रोमोशन हेतु बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलैक्ट्रेट गांधी सभागार, अमरोहा में उद्यान विभाग द्वारा एक्सपोर्ट प्रोमोशन हेतु बैठक का आयोजन जिला उद्यान अधिकारी, अमरोहा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें ऐपिडा के अधिकारी आलोक कुमार मिश्रा द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। उक्त बैठक में योग्य फल, सब्जियों एवं शहद का उत्पादन करने वाले उद्यान विभाग, अमरोहा के कृषकों एवं एफ०पी०ओ० के प्रतिनिधियों को एपीडा की वेबसाईड पर पंजीकरण करने एवं औद्यानिक फसलों को निर्यात करने से सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध गयी। इस बैठक में नदीम सिद्दीकी, इशान्त सैनी (आम एवं सब्जी निर्यातक), गंगा सरन सैनी, रवि धारीवाल (प्रगतिशील कृषक) एवं मौ० वसीम, पवन कुमार, हितेश चौधरी, अमित कुमार (एफ०पी०ओ० प्रतिनिधि) एवं 29 इच्छुक कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बछरायूं में ओवरलोड ट्रक ने ली दो साल के मासूम की जान, परिवार में मचा कोहराम

क्षेत्रीय विधायक को बुलाने पर अड़े गुस्साए परिजन,मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर दी सांत्वना,कहा दोषी ट्रक चालक के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा के कस्बा बछरायूं में एक ओवरलोड ट्रक का कहर देखने को मिला है जहां पर एक ओवरलोड बजरी से भरे ट्रक ने एक दो साल के मासूम की जान ले ली। इस हादसे में 2 साल के मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। थाना बछरायूं में मासूम के साथ हुए इस गंभीर हादसे से पूरे इलाके में मातम और आक्रोश का माहौल है इस घटना के बाद गुस्साए परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ बेहद नाराजगी व्यक्ति और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने से भी इंकार कर दिया। उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को शांत करने का प्रयास किया। बता दें कि पूरा मामला थाना बछरायूं कस्बे के मोहल्ला बकाबाद का है जहां पर गुरुवार की सुबह एक दो साल के मासूम के साथ बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। गुरुवार की सुबह करीब 6:45 बजे एक बजरी से भरे ओवरलोड ट्रक ने अनियंत्रित होकर मोहल्ला निवासी मोनू प्रजापति के दो वर्ष के बेटे दक्ष प्रजापति को कुचल दिया ,इस हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि मृतक बच्चे के पिता मोनू प्रजापति की पुरानी सिंडिकेट बैंक चौराहे पर मिठाई और चाय की दुकान है ।दक्ष प्रजापति उनका एक लौता बेटा था। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। हादसे के बाद मौके पर लगी लोगों की भीड़ में आक्रोश उत्पन्न हो गया और वहां पर हंगामा शुरू हो गया ।इस दौरान नगर वासियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ बेहद नाराजगी व्यक्त की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने से इनकार कर दिया। परिजन और स्थानीय निवासियों का कहना है कि शहर में भारी और ओवरलोड वाहनों का प्रवेश होता है कस्बे वासियों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि गन्ने से लदे ट्रक और बजरी के ओवरलोड वाहन दिनभर घनी आबादी के बीच से गुजरते हैं जिससे आए दिन हाथ से होते रहते हैं। उधर हादसे की सूचना मिलने पर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने आक्रोशित लोगों को शांत करने का काफी प्रयास किया लेकिन गुस्से से उत्तेजित भीड़ क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे उन्होंने कहा कि जब तक क्षेत्रीय विधायक और उच्च अधिकारी मौके पर आकर शहर में ओवरलोड वाहनों की नो एंट्री सुनिश्चित नहीं करते तब तक शव को नहीं उठने दिया जाएगा। सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा भी घटनास्थल पर पहुंच गए। वहीं हंगामे के बीच दक्ष के पिता मोनू प्रजापति विधायक राजीव तरारा से बात की जिसमें मोनू प्रजापति का दर्द और गुस्सा साफ झलक रहा था। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता की।विधायक ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस मामले में लापरवाही बरतने वालों और दोषी ट्रक चालक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

ओवरलोड वाहनों से संबंधित "सबका सपना" अखबार ने पिछले दिनों महत्ता के साथ खबरें की थीं प्रकाशित लेकिन प्रशासन द्वारा ओवरलोडिंग वाहनों पर नहीं लिया गया संज्ञान,हो गया हादसा चली गई दो साल के मासूम की जान

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते दिनों हमारे हिन्दी दैनिक अखबार "सबका सपना" में सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड ट्रकों एवं अन्य वाहनों से संबंधित खबरें मेहत्ता से प्रकाशित की गई थीं इसके बावजूद भी शासन प्रशासन ने इन पर कोई संज्ञान नहीं लिया और ना ही कोई कार्यवाही की और ये ओवरलोड वाहन आज भी सड़कों पर यूं ही हादसों को दावत देते दौड़ रहे हैं।

थाना मण्डी धनौरा क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 30 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना

पुलिस द्वारा नागरिक सहभागिता का किया गया उत्साहवर्धन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया एवं थाना प्रभारी मण्डी धनौरा बालेन्द्र कुमार के नेतृत्व में प्रभावी रूप से संचालित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा किसी भी संभावित आपराधिक घटना को घटित होने से पूर्व ही नियंत्रित करना है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सकेगी, जिससे असामाजिक तत्वों द्वारा अपराध किए जाने की संभावना न्यूनतम होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी थाना मण्डी धनौरा पुलिस द्वारा चौकी रामपुरतगा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चुचैला स्थापित मटर प्लांट में 20 कैमरे , व ग्राम सीमेन्ट रोड बदर दूकान वाले मानिक चौधरी द्वारा 08 कैमरे व फ्यूचर लाईब्रेरी ग्राम चुचैला कला मे 02 कैमरे व मकान पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए गये, जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस सराहनीय पहल के लिए स्थानीय नागरिकों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में आमजन से अपील की गई कि कस्बों एवं ग्रामों के मुख्य चौराहों तथा आवागमन मार्गों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराएं, जिससे क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

गजरौला के ज्ञान भारती इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को नगर के ज्ञान भारती इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक रोहतास कुमार शर्मा ने की ।कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर प्रबंधक व प्रधानाचार्य द्वारा पुष्प अर्पण कर की गई ।कार्यक्रम अधिकारी प्रभाष कुमार यादव ने सप्त दिवसीय शिविर की क्रमवार आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिनमें स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, में महिमा, दीक्षा, निशा, नेहा, लवी, सलोनी ने प्रतिभाग किया।पंजाबी नृत्य में तुलसी, सानिया, मुस्कान, खुशी ने प्रतिभा किया। नाटक मंचन में नारी सशक्तिकरण पर बच्चों ने एक सुंदर नाटक प्रस्तुत किया जिसमें महिमा दीक्षा, निशा, नेहा ,लवी, सलोनी ने प्रस्तुति दी। भाषण में हिमांशु, वंशिका ,शिवा, ने भाग लिया। शिक्षा बहुत जरूरी है शीर्षक पर नाटक मंचन में गोसिया, बेनजीर ,कलसुम मुस्कान ,इलमा,व भावना ने प्रतिभा किया इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के पर्यवेक्षक के रूप में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गजरौला की प्रधानाचार्या नीतू सिंह उपस्थित रही ।प्रधानाचार्य पी जी गोस्वामी ने राष्ट्रीय सेवा योजना पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक रोहतास कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर की सराहना करते हुए ।स्वयंसेवकों को अनुशासन में रहकर आगे बढ़ने का आवाहन किया ।कार्यक्रम अधिकारी प्रभाष कुमार यादव ने समारोह में आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर लोकेंद्र सिंह, उमेश कुमार , हरीश कुमार वर्मा , पप्पू कुमार यादव ,इंद्रपाल सिंह , प्रतिभा सागर ,कविता शर्मा,मंजू शर्मा व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

गजरौला हाईवे पर ई-रिक्शा व कार की टक्कर में किसान की मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर एक कार और ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। इस हादसे में ई-रिक्शा सवार एक किसान की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक का उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा है ।यह घटना गुरुवार सुबह लगभग सात बजे हुई। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव खुंगावली निवासी किसान पूरन सिंह अपने गांव के हरकेश द्वारा चलाए जा रहे ई-रिक्शा में सब्जियां लेकर गढ़मुक्तेश्वर की सब्जी मंडी जा रहे थे। जब वे हाईवे पर जीरो प्वाइंट के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनके ई-रिक्शा को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि किसान पूरन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। ई-रिक्शा चालक हरकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल हरकेश को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक किसान पूरन सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। गजरौला थाने के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि इस संबंध में तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सैदनगली पुलिस ने बच्चों को पढ़ाया यातायात के नियमों का पाठ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत थाना सैदनगली पुलिस ने दून ग्लोबल एकेडमी, ग्राम राजपुर में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को विस्तार से समझाया कि सड़क पर चलते समय यातायात संकेतों, रोड साइन और जेब्रा क्रॉसिंग का सख्ती से पालन करें। सड़क पार करते समय दाएं-बाएं देखना जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है, जबकि चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट लगाना अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। विशेष रूप से नाबालिगों को वाहन न चलाने, तेज रफ्तार से बचने, अनावश्यक ओवरटेकिंग न करने और मोबाइल फोन या ईयरफोन का उपयोग करते हुए ड्राइविंग न करने की सलाह दी गई।कोहरे और खराब मौसम में लाइटों का सही इस्तेमाल, निर्धारित गति सीमा का पालन तथा सड़क अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया गया। बच्चों को बताया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि अपने और दूसरों के जीवन की रक्षा से जुड़ा मामला है।साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करते हुए फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी या बैंक डिटेल्स किसी से साझा न करने, अनजान ऐप्स/वेबसाइट्स से दूर रहने तथा किसी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना अभिभावकों या पुलिस को देने की अपील की गई।अमरोहा पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी में सुरक्षा, अनुशासन और जागरूकता की भावना मजबूत हो सके। यह प्रयास सड़क दुर्घटनाओं को कम करने तथा सुरक्षित समाज निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है।

स्काउट-गाइड के छात्रों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह में लगातार परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम और प्रवर्तन कार्रवाई में आज एक विशेष प्रकार का अभियान चलाया गया। ए आर टी ओ प्रवर्तन महेश शर्मा और टी आई अनुज मलिक ने संयुक्त रूप से स्काउट गाइड की मदद से वाहनों के चालकों को जागरूक करने का प्रयास किया। सबसे पहले गुरु गोविंद सिंह चौक पर स्काउट गाइड के साथ पहुंच कर यातायात के नियमों का उलंघन कर वाहन चलाने वाले चालकों को रोका गया और स्काउट गाइडस ने उनसे यातायात के नियमों के उलंघन करने की पहले वजह पूछी फिर पूछी फिर उन्हें यातायात नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस के बाद टी पी नगर चौराहे पर चालकों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। ज्यादा तर चालकों द्वारा कहा गया कि लोकल ही तो जा रहे थे तो हेलमेट नहीं पहना इस पर स्काउट गाइड द्वारा अपने आप ही बहुत सुंदर तरीके से समझाते हुए कहा कि यमराज का कोई पता नहीं होता वो लोकल जानकर छोड़ेगा नहीं इसलह हेलमेट का प्रयोग लोकल में भी जरूर करें।इसके बाद बंबूगढ चौराहा पर चालकों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। समाजसेवी अनिल जग्गा ने भी पोर्टेबल साउंड सिस्टम का माइक पकड कर सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक किया। इसके बाद शासन से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद के तीन मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया गया और तीनों सही अवस्था में चलते पाये गए। फिर प्रवर्तन कार्रवाई की गई और सड़क सुरक्षा के नियमों का उलंघन करके हेलमेट नहीं पहनना, सीट बेल्ट ना लगाने, मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने और हाईवे पर अवैध पार्किंग करने के अभियोग में यातायात पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा 278 वाहनों के चालान काटे गए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बीआरएसएस कार्यकर्ताओं ने चलाया जन जागरण अभियान, समस्याओं के समाधान पर दिया जोर

जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी के नेतृत्व में जन जागरण अभियान के तहत बैठक का आयोजन

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा ग्राम - मेहराना में गुरूवार को जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी के नेतृत्व में जन जागरण अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी एवं संचालन निर्देश कुमार ने किया। बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने भ्रष्टाचार पर तीखा वार किया। कहा कि जनपद संभल में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। जिसको संगठन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदेश सरकार तमाम कल्याणकारी योजनाएं चला रही है जिससे आम जनमानस का लाभ हो सके परंतु भ्रष्टाचार के चलते आम जनमानस को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बैठक में बिजली की दरें बढ़ाने से लेकर स्मार्ट मीटर लगाए जाने एवं क्रेडिट कार्ड के नाम पर किसान को टरकाने का विरोध किया गया। साथ ही आधार कार्ड संशोधन से लेकर जाति, निवास प्रमाण पत्र एवं खतौनी में त्रुटि के संबंध में हो रही धांधलेबाजी का विरोध दर्ज किया। सरकार द्वारा चलायी जा रही एकमुश्त समाधान योजना पर निराशा जताते हुए कहा कि आधे से ज्यादा उपभोक्ता योजना के लाभ से वंचित है। योजना को बेहतर करते हुए पुनः लागू किया जाए जिससे कि आम जनमानस को लाभ मिल सके। आधे से ज्यादा

मीटर गलत बिल निकाल कर जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। जिसमें सुधार अति आवश्यक है। वहीं जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ पदाधिकारियों के लगातार बैठक में अनुपस्थित रहने के कारण उनके पद में फेर बदल किया गया है, जिससे कि संगठन को मजबूती दी जा सके। संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कार्यकताओं को अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी एवं अनुपस्थित रहने वाले कार्यकताओं को संगठन से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार ने कहा कि बैठक में कुछ स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया है जिन पर जल्द ही रणनीति तय कर अधिकारियों के समक्ष रखकर मजबूती से समाधान कराया जाएगा। कार्यकारिणी द्वारा संगठन विस्तार में चौधरी संतवीर सिंह को जिला प्रचार मंत्री, राज्यपाल कश्यप को तहसील उपाध्यक्ष संभल, ज्ञानचंद कश्यप को ग्राम संगठन मंत्री, पुष्पेन्द्र सिंह को ग्राम सचिव, रोहतास चौधरी को ग्राम महासचिव, लोकेश कश्यप को ग्राम प्रभारी, प्रशांत चौधरी को ग्राम सचिव नियुक्त किया गया। जिला महासचिव अनमोल कुमार ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए आम जनमानस को एवं किसान का सहयोग करते हुए संगठन की नीतियों को आगे बढ़ाते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला महासचिव अनमोल कुमार, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, जिला मंत्री (अ. मो.) सुफियान पाशा, तहसील महासचिव राजीव कुमार, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, धीरेन्द्र त्यागी ब्लाक महासचिव, ब्लॉक महासचिव मनीराम गूर्जर, डॉ वसीम युवा ब्लॉक अध्यक्ष, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष मो. हसन, राजपाल कश्यप, राम सिंह, तेजपाल सिंह, करण सिंह, जाकिर अली, ज्ञानचंद कश्यप, नन्नू चौधरी, रोहतास सिंह, विजेन्द्र कुमार अंकुल कुमार, उपेन्द्र चौधरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

बहजोई में जर्जर बिजली खंभा बना हादसे का कारण, कभी भी गिरने की आशंका

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नगर के वार्ड नंबर 7 स्थित गायत्री कॉलोनी, चितौरा रोड निवासियों ने बिजली विभाग को शिकायती पत्र देकर बताया कि एक लोहे का बिजली का खंभा बेहद जर्जर हालत में पहुंच चुका है। खंभा नीचे से पूरी तरह गल चुका है और टूटने की कगार पर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह खंभा किसी भी समय गिर सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि पूरी कॉलोनी की बिजली आपूर्ति इसी खंभे के माध्यम से होती है। खंभे की हालत को देखते हुए मोहल्ले में लगभग पांच नए बिजली खंभे लगाए जाने की आवश्यकता है। स्थानीय निवासियों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द नए खंभे लगवाने की मांग की है। इस संबंध में जब बिजली विभाग में तैनात जेई रोहित वरुण से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है और शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर वार्ड सभासद मोहम्मद उमर पुत्र चाउबख्श के साथ दिलशाद, चमन कुरैशी, सद्दाम, असलम, शीला देवी, परवीना, रफीकन, रूबी जहां, साधना सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में जल्द समाधान की मांग करते हुए कहा कि किसी अनहोनी से पहले विभाग को कदम उठाना चाहिए।

मानवता की मिसाल बने बहजोई निवासी कल्याण दास उर्फ कालीचरण

दिन-रात पशु-पक्षियों की सेवा में समर्पित,कई जगह लगाए पेड़

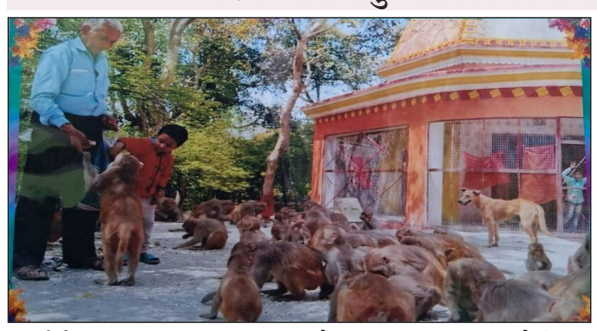

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बंबा रोड, नया बाजार बहजोई निवासी कल्याण दास उर्फ कालीचरण आज के समय में मानवता और पर्यावरण संरक्षण की एक जीवंत मिसाल बन चुके हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के दिन-रात पशु-पक्षियों की सेवा में जुटे रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि कोई इंसान बूढ़ा हो या जवान अगर भूखा उन्हें मिलता है तो वह उसको भी खाना खिलाने से पीछे नहीं हटते। कालीचरण रोजाना बंदरों को भोजन कराते हैं, कबूतरों को दाना डालते हैं, साथ ही गिलहरी, कौआ, चींटियां, कुत्ते और गाय जैसे निरीह जीवों को भी नियमित रूप से खाना खिलाते हैं। उनका मानना है कि पशु-पक्षियों की सेवा ही सच्ची मानवता है। इतना ही नहीं, वे पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी बेहद जागरूक हैं। कालीचरण पेड़-पौधों को समय पर पानी देना, उनकी देखभाल करना और नए पौधे लगाना अपना कर्तव्य मानते हैं। उन्होंने बताया कि राजघाट, धनारी थाना क्षेत्र सहित कई स्थानों पर उन्होंने स्वयं पेड़ लगाए हैं और आज भी उनकी देखरेख कर रहे हैं। स्थानीय लोग कालीचरण के इस निस्वार्थ सेवा भाव की सराहना करते नहीं थकते। उनका कहना है कि ऐसे लोग समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं और आने वाली पीढ़ियों को मानवता व प्रकृति से प्रेम करना सिखाते हैं।

पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- एमएसएमई विकास कार्यालय, आगरा द्वारा गुरुवार को पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम राजकीय आईटीआई सम्भल, के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें 70- 80 की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत स्तुति गुप्ता प्रधानाचार्य आईटीआई सम्भल, पवन सिंह जिला प्रबंधक कौशल विकास, लोकेंद्र कुमार, डिप्टी कमिश्नर डीआईसी सम्भल तथा नेहा मेहतो, सहायक निदेशक, एमएसएमई विकास कार्यालय आगरा, ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में उद्यमिता विकास, बाजार की समझ, मूल्य निर्धारण, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता तथा ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग विषय पर विस्तृत जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें एस. बी. रस्तोगी द्वारा उद्यम विकास एवं मार्केट स्ट्रेटेजी पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी तथा पीएम विश्वकर्मा योजना का संक्षिप्त विवरण नेहा मेंहतो, एमएसएमई-डीएफओ आगरा द्वारा दिया गया। राज्य सरकार की योजनाओं पर जानकारी लोकेंद्र कुमार, डिप्टी कमिश्नर डीआईसी, सम्भल द्वारा साझा की गई। एलडीएम, ललित कुमार राय ने वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सुविधाओं एवं ऋण संबंधी समस्याओं के समाधान पर मार्गदर्शन किया। सरकारी आईटीआई से अरविन्द कुमार ने उद्यमिता विकास पर लाभुकों का लाभान्वित किया।
कार्यक्रम के दौरान पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों का उद्यम पंजीकरण (उद्यम पंजीकरण पोर्टल / उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म) से संबंधित जानकारी राहुल कुमार (वाई.पी) एमएसएमई-डीएफओ द्वारा दिया गया।
इस कार्यक्रम का समन्वय नेहा मेहतो, सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ आगरा द्वारा किया गया, जिसमें राजकीय आईटीआई,सम्भल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के प्रबंधन में विकास कार्यालय आगरा से राहुल कुमार ने सहयोग किया ।

दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान, आवेदन आमंत्रित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं (मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण दिव्यांगजन को छोड़कर) के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना के अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान प्रदान किए जाने की व्यवस्था की गई है। इस योजना के तहत कुल 07 परियोजनाओं/कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु अनुदान दिया जाएगा, जिनमें अर्ली इंटरवेंशन सेंटर, डे-केयर सेंटर/प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल स्तर के विशेष विद्यालयों का संचालन, जूनियर हाईस्कूल स्तर तक के विद्यालयों का संचालन, हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास (न्यूनतम 02 एवं अधिकतम 04 ट्रेड) तथा पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालयों का संचालन शामिल है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत पंजीकृत प्रदेश के वे स्वैच्छिक संगठन, जो संबंधित क्षेत्र में अनुभवी हों एवं उत्तम योजना के साथ तैयार हों, आवेदन कर सकते हैं। योजना से संबंधित कार्यवाही आदेश, दिशा-निर्देश एवं आवेदन पत्र का प्रारूप दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की वेबसाइट http:// uphwd.nic.in पर उपलब्ध है। इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाओं को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपने अनुदान प्रस्ताव कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सम्भल में निर्धारित समय के भीतर समर्पित करना होगा।

एटीएम में चोरी की कोशिश करने वाला अभियुक्त पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के कैथल गेट कच्चा कटरा, चन्दौसी निवासी दीपांशू कश्यप पुत्र संजीव कुमार कश्यप की तहरीर पर मंगलवार को थाना चन्दौसी में एक मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आरोप था कि सम्भल गेट स्थित इंडिया-1 एटीएम के कैश डिस्पेंसरी में अज्ञात अभियुक्त द्वारा चोरी के उद्देश्य से स्टील की पट्टी लगाकर नकदी चुराने की कोशिश की गई। इससे पूर्व भी एक अज्ञात साथी के साथ इसी प्रकार की घटना को अंजाम दिए जाने की बात सामने आई थी, जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी मनोज कुमार के नेतृत्व में जनपद में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग अभियान के तहत बुधवार को थाना चन्दौसी पुलिस ने इस मामले में प्रकाश में आए अभियुक्त आदित्य पुत्र मदनलाल (22) को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को जीरो प्वाइंट से बहजोई की ओर जाने वाले मार्ग से दबिश देकर पकड़ा गया। मामले की विवेचना उप निरीक्षक राजवीर सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ह्यूमन केयर चैरिटेबल ट्रस्ट ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

नए वोटर और नाम जुड़वाने पर दिया जोर

सम्भल(सब का सपना):- ह्यूमन केयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नये मतदाता बनने और मतदाता सूची से गायब नामों को जुड़वाने को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। उपनगरी क्षेत्र सराय तरीन में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के संस्थापक व अध्यक्ष नाज़िश नसीर खान ने वोट की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में प्रत्येक मतदाता की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं के लिए विशेष अवसर प्रदान किए गए हैं। इसके तहत 31 जनवरी (शनिवार) और 1 फरवरी (रविवार) को विशेष अभियान तिथियां निर्धारित की गई हैं। इन दिनों वे मतदाता भी अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं, जिनके नाम अनुपस्थित पाए जाने पर मसौदा मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसके साथ ही 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा भी मार्च में प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन विशेष अभियान तिथियों पर प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) एवं सहायक स्टाफ उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में ज़िलाध्यक्ष जीशान अली ने कहा कि लोकतांत्रिक एवं चुनावी प्रक्रियाओं में मतदाताओं की भागीदारी किसी भी लोकतंत्र के सफल संचालन की बुनियाद है। प्रत्येक वोट देश के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर मु. असलम, हाजी यूसुफ, डॉ. नईम, मु. रिजवान खान, जीशान अली, मु. फहीम सहित कई लोग मौजूद रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बालिकाओं को दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिदेशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत गुरुवार को चंदौसी के सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल व नेहरू कंपोजिट जूनियर हाईस्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला कर सकें, प्रशिक्षक सुरेश कुमार, संतराम, ब्रजेश व पूर्वी ने छात्राओं व एल्बो अटैक, पॉम अटैक, अपर पंच की ट्रेनिंग दी ' जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ' छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृति , मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। ताकि बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी और पात्र महिलाओं/बालिकाओं को योजनाओं का लाभ मिल सके '

केनरा बैंक आरसेटी में कंप्यूटर प्रशिक्षण का नया बैच शुरू

1 फरवरी से 45 दिवसीय कोर्स, युवक-युवतियों के लिए सुनहरा अवसर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक आरसेटी, फरवरी माह से कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक नया बैच शुरू होने जा रहा है। यह 45 दिनों का विशेष कंप्यूटर प्रशिक्षण कोर्स होगा, जिसकी शुरूआत 1 फरवरी से की जाएगी। संस्थान द्वारा बताया गया कि केनरा बैंक आरसेटी सम्भल रोड रोटरी क्लब के पास बहजोई पहुंचकर इच्छुक युवक एवं युवतियां इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ संस्थान पहुंचकर पंजीकरण करा सकते हैं। प्रशिक्षण में प्रवेश सीमित सीटों पर किया जाएगा और चयन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगा। आरसेटी प्रबंधन ने बताया कि यह प्रशिक्षण युवाओं को कौशल विकास का बेहतरीन अवसर प्रदान करेगा, जिससे वे रोजगार एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे शीघ्र संस्थान पहुंचकर रजिस्ट्रेशन कराएं और इस अवसर का लाभ उठाएं। संस्थान ने सभी से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक योग्य उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के लिए प्रेरित कर संस्थान भेजें, ताकि वे अपने कंप्यूटर कौशल को निखार सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

हाजियों को फ्लाइट बुकिंग की सुविधा, हज कमेटी ऑफ इंडिया ने जारी किया सर्कुलर

29 जनवरी से 1 फरवरी तक मिलेगी फ्लाइट बुक करने की मोहलत:-तकी अशरफ एडवोकेट

सम्भल(सब का सपना):- हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज 2026 की पवित्र यात्रा पर जाने वाले हाजियों के लिए एक महत्वपूर्ण सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर के अनुसार इस बार हाजियों को अपनी सुविधा के अनुसार हज यात्रा की फ्लाइट बुक करने का विकल्प दिया गया है। हज कमेटी ने बताया कि हाजी 29 जनवरी से 01 फरवरी तक, कुल चार दिन के भीतर अपनी फ्लाइट हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या हज सुविधा ऐप के माध्यम से बुक कर सकते हैं। एक बार फ्लाइट बुक हो जाने के बाद उसमें किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जा सकेगा। यदि निर्धारित चार दिनों के भीतर कोई हाजी फ्लाइट बुक नहीं करता है, तो ऐसी स्थिति में हज कमेटी अपने स्तर से फ्लाइट आवंटित करेगी। सर्कुलर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि शिया हजरात एवं बिना मेहरम के हज पर जाने वाली महिलाओं के लिए फ्लाइट बुकिंग का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। हज कमेटी को किसी भी आपात स्थिति में फ्लाइट की तारीख या समय में बदलाव करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। वहीं, राउंड ट्रिप बोर्डिंग पास तभी जारी किए जाएंगे जब हाजी द्वारा पूरा भुगतान क्लियर कर दिया जाएगा। जो हाजी स्वयं फ्लाइट बुक करने में असमर्थ हैं, वे हज कमेटी द्वारा गठित हज ई-सुविधा केंद्र, मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी, सम्भल में पहुंचकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यहां हज कमेटी द्वारा चयनित हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट, हाजी नदीम, मुहम्मद अहमद रजा, उम्मे हबीबा, डॉक्टर इफ्तेखार अहमद तथा संरक्षक अब्दुल खालिक और कारी वसी अशरफ मौजूद रहेंगे।
हज कमेटी की नई गाइडलाइन्स के अनुसार मेडिकल फिटनेस टेस्ट से संबंधित जानकारी देने के लिए 07 फरवरी (शनिवार) को मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी, सम्भल में विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। हाजियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मदरसा परिसर में आगे भी लगातार कैंप आयोजित किए जाएंगे, जहां हर प्रकार की जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

गृह मंत्रालय के सम्मान से नवाजे गए थाना प्रभारी जय भगवान

प्रदेश से लेकर केंद्र तक मिल चुका है सम्मान का तोहफा

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के थाना हीमपुर दीपा प्रभारी निरीक्षक जय भगवान को गृह मंत्रालय भारत सरकार से अति उत्कृष्ट सेवा मेडल से नवाजा गया है। पुलिस विभाग में सराहनीय सेवाओं के लिए जय भगवान को मिले सम्मान मेडल ने पुलिस विभाग का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। पुलिस लाइन बिजनौर में गणतंत्र दिवस परेड के भव्य समारोह के दौरान भाजपा के जिला प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने हीमपुर दीपा थाने में तैनात प्रभारी निरीक्षक जय भगवान को गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अति उत्कृष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया। प्रभारी निरीक्षक को अति उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानि किए जाने पर

पुलिस विभाग में खुशी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जय भगवान ने बताया कि इससे पूर्व उन्हें 2003 में बेदाग सेवा कार्य करते हुए सराहनीय सेवा पदक, 2012 में उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 2022 में पुलिस महानिदेशक लखनऊ द्वारा रजत पदक से नवाजा जा चुका है। प्रभारी निरीक्षक वर्ष 1988 में आरक्षी पद पर भर्ती हुए थे। उसके बाद उन्होंने वर्ष 2003 में प्रांतीय परीक्षा पास कर मुख्य आरक्षी तथा वर्ष 2007 वर्ष में उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा पास की तथा निरीक्षक पद के तहत प्रमोशन पाया। उनकी वर्ष 2018 में निरीक्षक पद पर प्रोन्नति हुई। दरअसल हर विभाग में नाम नहीं काम बोलता है। इसी के तहत प्रदेश से लेकर केंद्र तक से सराहनीय कार्यों के लिए जय भगवान समय-समय पर सम्मान का तौहफा हासिल करते आ रहे हैं। जो पुलिस विभाग के लिए बड़े गर्व की बात है।

अति पिछड़ा वर्ग संगठन के अध्यक्ष ने यूजीएसी कानून व पेंशन की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- अति पिछड़ा वर्ग संगठन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष तेजपाल सिंह सैनी एडवोकेट के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने देश की राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा को सौंपा। ज्ञापन में देशभर में यूजीएसी कानून बनाकर उसे तुरंत लागू किए जाने की मांग उठाई गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि कमजोर वर्गों के हितों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने में छह यूनिट की बाध्यता समाप्त कर आर्थिक आधार पर कार्ड

जारी करने की मांग की गई। साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु के किसानों व मजदूरों को पेंशन देने की मांग को भी मजबूती से रखा गया। नेताओं ने कहा कि किसान और मजदूर जीवनभर देश के लिए काम करते हैं, लेकिन बुढ़ापे में उन्हें दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इस दौरान सूरजमल सैनी, राजवीर सिंह प्रजापति, डा. वीरेन्द्र सैनी, सुरेश, दयाराम, वीर सिंह, मुखराम आदि मौजूद रहे।

चार चोरी की मोटरसाइकिलों के पार्ट्स समेत छह गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना चांदपुर पुलिस ने वाहन चोरी के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार चोरी की मोटरसाइकिलों के कटे हुए पार्ट्स के साथ छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार चेसिस, तीन इंजन, चार शॉकर, एक साइलेंसर और दो पेट्रोल टंकियां बरामद की हैं। यह कार्रवाई थाना चांदपुर में दर्ज मुकदमे के तहत की गई है। पुलिस के अनुसार, 29 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना चांदपुर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कमल, नदीम, नीटू, अर्पित कुमार, रोबिन कुमार और

सुमित कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों को काटकर उनके पार्ट्स अलग-अलग बेचने की फिराक में थे। बरामद चेसिस और इंजनों की तस्दीक करने पर पता चला कि इनमें से एक मोटरसाइकिल थाना चांदपुर क्षेत्र से चोरी हुई थी, जबकि एक अन्य थाना धनौरा, जनपद अमरोहा से संबंधित पाई गई। इसके अलावा दो अन्य मोटरसाइकिलों के पार्ट्स भी बरामद हुए, जिनमें स्प्लेंडर प्लस और अन्य मॉडल शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि शॉकर, साइलेंसर और टंकियां मोटरसाइकिलों को काटकर अलग की गई थीं। उल्लेखनीय है कि 24 जनवरी 2026 को चांदपुर कस्बे के मोहल्ला पतियापाड़ा निवासी मोहम्मद अजीम द्वारा अपनी टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 बाइक चोरी होने की तहरीर दी गई थी, जिस पर मुकदमा दर्ज किया गया था। बरामदगी के आधार पर मामले में धाराओं की बढ़ोत्तरी की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

मध्यस्थता के माध्यम से करायें अपने विवादास्पद मामलों का निस्तारण : एडीजे

31 जनवरी तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

बदायूँ (सब का सपना):- अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, (नालसा) नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय के तत्वाधान में सम्पूर्ण राष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम में न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया जायेगा। जिसमें वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, सम्पत्ति के बंटवारे से सम्बन्धित मामले, बेदखली से सम्बन्धित मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले व अन्य उपयुक्त दीवानी मामले, घरेलू हिंसा के मामले, चैक बाउन्स के मामले, आपराधिक मामले आदि का निस्तारण करा सकते हैं। उन्होंने अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय मध्स्थता अभियान-2.0 के सन्दर्भ में आमजन-मानस/वादकारियों को जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु बैनर, पोस्टर, हैण्ड बिल इत्यादि प्रचार सामिग्री कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ एवं जनपद की समस्त तहसीलों में तैनात पराविधिक स्वयंसेवकगण के माध्यम उपयुक्त स्थानों पर चस्पा एवं वितरण किया जा रहा है। उन्होंने जनपद में आवासित समस्त आम-जनमानस/वादकारियों से अपील है कि उक्त मध्यस्थता अभियान को सफल बनाने हेतु सुलह योग्य वादों को मध्यस्था केन्द्र बदायूँ में सन्दर्भित कराना सुनिश्चित करें।

ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का किया बाहय निरीक्षण

बदायूँ (सब का सपना):- जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का बाहय निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था को चेक किया।

लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से की जा रही मॉनिट्रिंग को चेक किया तथा आगंतुक रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी किए। जिलाधिकारी ने बताया कि ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस में 24 घंटे सुरक्षा बल की तैनाती रहती है तथा मशीनें पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। चेकिंग के दौरान मान्यता प्राप्त प्रतिनिधियों ने की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

सिद्ध पीठ श्री साईं बाबा मंदिर पर सक्षम कटारिया ने किया भंडारे का आयोजन

भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना - धामपुर रोड स्थित सिद्ध पीठ श्री साईं गंगा धाम श्री साईं मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने सैकड़ो की संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। नगीना क्षेत्र के गांव हसन अलीपुर भोगन निवासी सक्षम कटारिया ने अपने माता पिता, बाबा - माँ की दीधार्यु व परिवार की सुख समृद्धि तथा जीवन में खुशहाली की मनोकामनाएं मन में रखकर एक भंडारे का आयोजन

किया गया। श्री साईं मंदिर के पंडित अनिल कुमार शास्त्री ने गुरुवार की सुबह को 8:00 बजे करीब सक्षम कटारिया पुत्र अंकुर कुमार, माता मीनाक्षी देवी, माँ लीला देवी व बाबा बलवीर सिंह तथा बड़े पिता संदीप कुमार, बड़ी माता दर्शन रानी, बड़े पिता प्रदीप कुमार, बड़ी माता सुनीता देवी, सोनम, कपिल कुमार, ममता, हरीश आदि परिवार वालों के साथ हवन पूजन कर साईं वस्त्र अभिषेक किया । तत्पश्चात 8 बजे करीब भंडारे का भोग लगाने के बाद बाबा की आरती कर भंडारे का शुभारंभ किया गया । भंडारे में आसपास व दूर दराज के विभिन्न गांवों से आये सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भंडारे का लुफ़्त उठाया ।

मदरसा सोतुल इस्लाम में दीनी इजलास आयोजित

चार तालिब ए इल्म के कुरआन मुकम्मल करने पर हुई दस्तारबंदी

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- मदरसा सोतुल इस्लाम में दीनी इजलास व दस्तारबंदी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चार तालिब ए इल्म के कुरआन मुकम्मल करने पर उनकी दस्तारबंदी की गई साथ ही जिम्मेदारों ने हाफिज ए कुरआन को इनामात देकर नवाजा। नगर के एजेंसी चौराहे के समीप स्थित मदरसा सोतुल इस्लाम में आयोजित दीनी इजलास को खिताब फरमाते हुए रुड़की से आए कारी मोहम्मद इकराम ने कहा कि आज के समय में मुसलमान दीन के रास्ते को छोड़कर दुनिया के कामों में मशगूल है। उन्होंने कहा कि मुसलमान को चाहिए कि दीन के बताए हुए रास्तों पर चलकर अपनी जिंदगी गुजारे। उन्होने कहा कि अपने बच्चों को दीन की तालीम के साथ साथ दुनियावी तालीम दे ओर अपने बच्चों को हाफिज बनाए। उन्होंने फरमाते हुए कहा कि हाफिज ए कुरआन को अल्लाह ने दुनिया व अखिरत में बहुत ऊंचा मुकाम दिया है। हाफिज ए कुरआन अपने मां बाप के साथ साथ परिवार के लोगों के

लिए बख्शिश का जरिया बनेगा। उन्होंने कहा कि हाफिज ए कुरआन के मां बाप को ऐसे जोड़े पहनाए जाएंगे जिसका अंदाजा दुनिया वाले नहीं लगा सकेंगे। साथ ही उन्होंने कुरआन की फजीलत बयान फरमाते हुए कहा कि मुसलमानो को चाहिए कि रोज कुरआन की तिलावत किया करे। साथ ही उन्होंने कहा कि मुसलमान पर पांच वक्त की नमाज फर्ज है लेकिन मुसलमान नमाज छोड़कर जिंदगी गुजार रहा है। उन्होंने लोगों को पाबंदी से पांच वक्त की नमाज पढ़ने व अपने अपने बच्चों को हाफिज बनाने पर जोर दिया। दीनी इजलास में हाफिज मौ ताबिश, हाफिज मौ शान, हाफिज मौ बिलाल, हाफिज मौ महरान ने कुरआन का आखिरी सबक पढ़कर कुरआन ए हिफ्ज मुकम्मल किया। हाफिज ए कुरआन को कारी मोहम्मद जफर, हजरत कारी इकराम साहब रुड़की, कारी गयासुद्दीन, मौलाना मुनव्वर हुसैन, मोलाना वजाहत हुसैन, कारी नसीम, कारी मोहम्मद इरशाद, कारी मोहम्मद मुमशाद, कारी अकील अहमद, मौलाना इबने हसन जलालाबाद, कारी इम्तियाज अथर आदि ने दस्तारबंदी की साथ ही जिम्मेदारों ने हाफिज ए कुरआन को इनामात देकर नवाजा। आखिर में कारी मोहम्मद इकराम ने मुल्क में अमनों आमान व खुशहाली की दुआ कराई। इस मौके पर रईस उस्मानी, मास्टर कमरुद्दीन, शमीम अहमद, फुरकान कुरैशी, मोलाना सलमान, फैजान फरीदी, अनवर बाकराबादी, अब्दुल लतीफ कुरैशी, आसिफ कुरैशी, गुलजार कुरैशी, नसीम फरीदी, नदीम कुरैशी, मेहरबान उस्मानी, शाकिर उस्मानी, अलीम, मौ ईशा, मौ मुशा, मोहम्मद शहजाद, नजाकत हुसैन, अमजद हुसैन, मोहम्मद शाहनावाज, मोहम्मद जैद, उजेर अंसारी, मौ इमरान, मौ अरबाज, मुख्तार अहमद, शखावत हुसैन, मौ आदिल, मौ असलम, मौ आमिर आदि उपस्थित रहे।

इजलास की सदारत मौलाना गयासुद्दीन व निजामत मौलाना इबने हसन साहब ने की। आखिर में मदरसे के मोहतमिम हाजी मोहम्मद हामिद कुरैशी, दिनी इजलास के इन्तिजामिया मौलाना मनवर हुसैन रशीदी व कारी मोहम्मद जफर सहाब ने सभी तालिब ए इल्म को दुआओं से नवाजा ओर सभी का शुक्रिया अदा किया।

क्षत्रिय राजपूत समिति की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर क्षत्रिय राजपूत समिति की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सूर्यांश वैक्ट हाल एन्ड रस्टोरेंट निकट पी डब्लू डी गेस्ट हॉउस चांदपुर रोड नूरपुर मे मुख्य अतिथि कुंवर संजय सिंह अध्यक्ष महाराज मुकुट सिंह शेखावत संस्थान मोरना व विशिष्ट अतिथि डा प्रमेन्द्र सिंह चौहान सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता तथा मास्टर हर्ष वर्धन के संचालन मे दीप प्रज्जवलित-करने के बाद किया गया । जिसमे चुनाव अधिकारी पूर्व बैंक प्रबंधक हेमराज सिंह व देशराज सिंह एडवोकेट ने अध्यक्ष राजीव कुमार चौधरी बीज भण्डार नूरपुरमहामंत्री सुशील ठाकुर कोषाध्यक्ष मनीष कुमार उपाध्यक्ष डॉ दयाराम सिंह उपसचिव सुखवीर सिंह सगठन मंत्री संजीव कुमार ऑडिटर पंकज राणा सलाहकर चंद्रशेखर राणा एडवोकेट, मिडिया प्रभारी सुबोध चौहान के साथ साथ धर्मेन्द्र सिंह, अबिनेश राणा, आशीष वशिष्ट, दीपक कुमार, मुनेश कुमार, पारुल चौहान, रामोवतार सिंह सदस्यों को समाज के प्रति कार्य करने की शपथ दिलाई गयी धामपुर से नरेश वत्स, स्योहारा से विनीत देवरा,पूर्व हिन्दू जागरण प्रांतीय जीतेन्द्र बेन्स,नूरपुर ब्लॉक प्रमुख आकांशा चौहान,उमेश चन्द्र, राजेश्वर,नवनीत कुमार उर्फ नीटू, पूर्व प्रधानाचार्य रामप्रसाद सिंह ,दिनेश कुमार फोटोग्राफर,बिर्जेश कुमर भगत जी, मास्टर गंभीर सिंह, ताजेश्वर सिंह, नवल किशोर,डॉ रामकुमार राणा आदि क्षत्रिय राजपूत बन्धुओ ने भाग लिया अंत मे नवनियुत अध्यक्ष राजीव चौधरी ने सभी उपस्थित क्षत्रिय बन्धुओ से समाज के प्रति कार्य करने का आवाहन किया ।

जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना पर हुआ मंथन

नहटौर /बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को नगर स्थित जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परिसर में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में नगर व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभाव और नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन के मुख्य वक्ता आर्य समाज के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भजनोपदेशक कुलदीप विद्यार्थी ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि समाज की वास्तविक मजबूती सामाजिक समरसता, स्वदेशी सोच और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक व्यवहार से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार नैतिक मूल्यों और

संस्कारों में निहित है, जिन्हें अपनाकर ही राष्ट्र सशक्त बन सकता है। धर्म जागरण गतिविधि के मेरठ प्रांत संयोजक जगेन्द्र दत्त ने हिंदुत्व की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदुत्व केवल एक विचारधारा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो मानवता, सेवा और सद्भाव को केंद्र में रखती है। उन्होंने समाज से सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। जिला संपर्क प्रमुख हिमांशु राजपूत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डालते हुए उसके सामाजिक, शैक्षिक और राष्ट्रनिर्माण में दिए गए योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संघ समाज के हर वर्ग को जोड़कर राष्ट्रहित में कार्य कर रहा है। हिंदू जागरण मंच के पूर्व जिला संयोजक संजय सिंह ने पंच परिवर्तन विषय पर बोलते हुए सामाजिक एकता, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे सकारात्मक परिवर्तन समाज को नई दिशा दे सकते हैं। सम्मेलन में नगर कार्यवाहक चंद्रसेन, भाजपा मंडल अध्यक्ष वैभव गोयल, सिद्धांत जैन, डॉ शलभ अहलावत, नरेंद्र अग्रवाल, अभिनय जैन, नागेंद्र त्यागी, मेजर चरण सिंह,मास्टर केशव शरण शर्मा, विनीता शर्मा, राहुल चौधरी,राजन चंद्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालेश कुमार अग्रवाल ने की, जबकि संचालन कपिल शर्मा द्वारा कुशलता से किया गया। अंत में आयोजकों ने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प दोहराया। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी धीरज नागर अपनी टीम के साथ मौजूद रहे । वहीं एंबुलेंस 108 भी कॉलेज परिसर में मौजूद रही । कार्यक्रम समापन के बाद सभी मौजूद लोगों को प्रसाद के रूप में भोजन वितरित किया गया ।

आगामी कावड यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क

उप जिलाधिकारी ने पुलिस, नगर पालिका विभाग के कर्मचारियों के साथ कांवड़ यात्रा मार्गो का किया निरीक्षण

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- आगामी कावड यात्रा को लेकर उप जिलाधिकारी विजय शंकर मिश्रा ने पुलिस, नगर पालिका व बिजली से संबंधित विभागों के कर्मचारियों को साथ लेकर क्षेत्रांतर्गत कांवड़ यात्रा मार्गो का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आगामी कांवड़ यात्रा को सही व सुरक्षित रूप से सम्पन्न करने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी विजय शंकर मिश्रा ने पुलिस क्षेत्राधिकार अंजनी कुमार चतुर्वेदी, थाना प्रभारी अवनीत मान, नगर पालिका के हेड क्लर्क इफ्तिखार जैदी को साथ लेकर बुधवार की देर शाम बढ़ापुर रायपुर तिराहे बाईपास से लेकर नगर क्षेत्र के श्री कृष्ण गौशाला सैयदवाडा, पहाड़ी दरवाजा बाजार, साहुवान बाजार, खोखरन्नाथ जी मंदिर, जामा मस्जिद चौक, बारादरी बाजार, श्री मुक्तेश्वर नाथ जी मंदिर, मोहल्ला

बिश्नोई सराय, तक कावड़ मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कावड मार्गो में हो रहे गहरे गहरे गड्ढो को तत्काल मरम्मत करने मार्गो पर विशेष सफाई और लाइट व्यवस्था कराने व जगह जगह लटके तारों को ऊंचा करने के शख्त निर्देश दिए। एसडीम विजय शंकर मिश्रा ने कहा कि शिव भक्त कावड़ियों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।उन्होंने पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी, थाना प्रभारी अवनीत मान को शिव भक्त कांवरियों की सुरक्षा हेतु कावड़ मार्गो पर पुलिस टीम की ड्यूटी लगाने ओर गस्त बढ़ाने को कहा,, साथ ही आगामी धार्मिक त्योहारों के समय विशेष रूप से सतर्कता बर्तने के आदेश दिए।

दिल्ली हाई कोर्ट ने गाजीपुर मुर्गा मंडी के अवैध कटान को बताया 'भयानक', एमसीडी-अधिकारियों को अवमानना की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को गाजीपुर मुर्गा मंडी में मुर्गियों और दूसरे पक्षियों के लगातार हो रहे अवैध कत्ल को "भयानक" बताया। कोर्ट ने इलाके की तस्वीरें देखीं और सवाल किया कि क्या गाजीपुर मार्केट में ऐसे कत्ल पर रोक लगाने वाले 24 सितंबर, 2018 के उसके आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस प्रथा को रोका जाए। कोर्ट ने ये टिप्पणियां कीं और पशु कल्याण कार्यकर्ता गौरी मौलेखी द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया। याचिका में कोर्ट के 2018 के आदेश का पालन न करने का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और अन्य एजेंसियों को पिछले आदेशों का पालन न करने के आरोप वाली अवमानना याचिका पर दो हफ़्ते के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए, तो अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

दिल्ली दंगा मामले में पूर्व विधायक ताहिर हुसैन को लगा झटका, दिल्ली की कोर्ट का जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों की जुड़ी साजिश के मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक ताहिर हुसैन को तगड़ा झटका लगा है। दिल्ली की एक कोर्ट ने आज गुरुवार को दिल्ली दंगों की साजिश के तीन आरोपियों, सलीम मलिक, अतहर खान और ताहिर हुसैन की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। तीनों ने अपनी जमानत अर्जी तब दायर की थी, जब सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले में पांच और आरोपियों को जमानत दे दी थी। आरोपियों का कहना था कि उन पर भी ऐसे ही आरोप हैं और वे बराबरी चाहते हैं। इन तीनों आरोपियों पर 2020 के दंगों में कथित तौर पर शामिल होने के लिए अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए हैं। बता दें कि अतहर नाम के व्यक्ति पर आरोप है कि वह नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के चांद बाग में विरोध प्रदर्शन के मुख्य ऑर्गनाइजर में से एक था और उसने कथित तौर पर वहां भड़काऊ भाषण दिए थे। वह पहले कॉल सेंटर में काम करता था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के मुताबिक, अतहर ने कथित तौर पर सीक्रेट मीटिंग में हिस्सा लिया था, जिसमें उसने कहा था कि 'दिल्ली को जलाने का समय आ गया है।' इतना ही नहीं उसने सीसीटीवी कैमरों को नष्ट करने में मदद की थी।

दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को मिली बड़ी राहत, मेधा पाटकर मानहानि केस में अदालत ने किया बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सोशल एक्टिविस्ट मेधा पाटकर के मानहानि केस में दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को बरी कर दिया है। मेधा पाटकर ने करीब 20 साल पहले वीके सक्सेना के खिलाफ केस किया था। साकेत कोर्ट सुनवाई के दौरान कहा कि आरोप बिना किसी शक के साबित नहीं हुए हैं। हाल ही में, कोर्ट ने वीके सक्सेना के दायर मानहानि केस में मेधा पाटकर को भी बरी कर दिया था। मेधा पाटकर को भी किया था बरी साकेत कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दायर दो दशक पुराने आपराधिक मानहानि मामले में नर्मदा बचाओ आंदोलन की कार्यकर्ता मेधा पाटकर को बरी कर दिया था। साकेत कोर्ट के फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने सुनाए गए फैसले में कहा था कि शिकायतकर्ता आरोपी के खिलाफ अपने मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहे। ऐसे में आरोपी मेधा पाटकर को आईपीसी की धारा-500 के तहत दंडनीय अपराध से बरी किया जाता है। यह मामला 2006 का है। वीके सक्सेना उस समय नेशनल काउंसिल आफ सिविल लिबर्टीज (एनसीसीएल) के अध्यक्ष थे। उन्होंने 20 अप्रैल, 2006 को निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम के दौरान मानहानि का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि मेधा पाटकर ने आन एयर उन पर सरदार सरोवर निगम से सिविल कान्ट्रैक्ट लेने का आरोप लगाया, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' पर दिल्ली एचसी का फैसला, समीर वानखेड़े की याचिका खारिज; वजह भी जानिए

नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मानहानिकारक चित्रण के खिलाफ आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े के मुकदमे को दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने अधिकार क्षेत्र के आधार पर मुकदमे पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और समीर वानखेड़े को सक्षम अधिकार क्षेत्र वाली अदालत में जाने के लिए कहा। अदालत ने कहा कि याचिका वादी को सक्षम अधिकार क्षेत्र वाली अदालत में जाने के लिए वापस की जाती है। कोर्ट ने वानखेड़े द्वारा दायर अंतरिम रोक आवेदन में तय किए जाने वाले दो सवाल तय किए। इसमें पहला यह है कि क्या मुकदमा दिल्ली में सुनवाई योग्य है और दूसरा यह कि पूरे संदर्भ में देखने पर क्या विवादित चित्रण प्रथम दृष्टया सीमा पार करता है और संरक्षित कलात्मक अभिव्यक्ति से समीर वानखेड़े की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है या नहीं। नेटफ्लिक्स व रेड चिलीज ने याचिका का विरोध किया था।

यूजीसी एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट की रोक से नगर में खुशी की लहर

बिसौली गेट पर सर्वण समाज ने मिठाइयां बांटकर फैसले का किया स्वागत

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- यूजीसी एक्ट के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद नगर में खुशी का माहौल देखने को मिला। गुरुवार को बिसौली गेट पर सर्वण समाज के लोगों ने एकत्र होकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और मिठाइयां बांटकर अपनी प्रसन्नता जाहिर की। सर्वण समाज के लोगों का कहना था कि यूजीसी के नए नियम शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव को बढ़ावा देने वाले थे, जिससे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के हित प्रभावित हो रहे थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नए नियमों पर रोक लगाना और वर्ष 2012 के पुराने नियमों को लागू रखने का आदेश देना न्याय की जीत है। इस अवसर पर व्यापारी नेता अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला शिक्षा में समानता और न्याय को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि यूजीसी के नए नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के भविष्य के लिए घातक साबित हो सकते थे, लेकिन न्यायालय ने समय रहते हस्तक्षेप कर युवाओं के हितों की रक्षा की है। यह निर्णय लोकतंत्र

और संविधान की भावना के अनुरूप है। वहीं अभिनव शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निष्पक्षता का परिचय देते हुए सही समय पर निर्णय दिया है। यह आदेश दशार्ता है कि न्यायपालिका आम नागरिकों की आवाज को गंभीरता से सुनती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में केंद्र सरकार कोई भी नियम या कानून बनाते समय सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखेगी, जिससे समाज में असमानता न बढ़े। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी का भी उल्लेख किया, जिसमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ने की बात कही गई। लोगों ने कहा कि यदि आगे भी शिक्षा व्यवस्था या समाज को विभाजित करने वाला कोई निर्णय लिया गया, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे। बिसौली गेट पर हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और फैसले को ऐतिहासिक बताया। इस मौके पर शिवराम वत्स, सागर गुप्ता, आचार्य ऋतुपर्ण शर्मा, बृजेश शर्मा, राजीव मिश्रा, निशांत शर्मा, अभिनव शर्मा, शाह आलम मंसूरी, आदित्य कान्त, सुधीर मिश्रा, मनोज कुमार, विकास मिश्रा, विकास उपाध्याय, गौरख शंखधर, सौरभ शर्मा, ओमवीर सिंह, गौरव शर्मा, अर्पित, लवित वार्ष्णेय, एडवोकेट अतुल अग्रवाला, राजीव अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल, आशीष तूफानी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जनपद के 32 बच्चों ने लखनऊ गणतंत्र दिवस परेड में किया जिले का नाम रोशन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उम्मीद संस्था के माध्यम से गणतंत्र दिवस परेड, लखनऊ में सहभागिता करने वाले संभल जिले के 32 बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के साथ-साथ उनके मार्गदर्शक एवं सहयोगी भी सम्मानित हुए। जिलाधिकारी ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र/स्मृति चिह्न प्रदान कर उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की उपलब्धि पूरे जिले

के लिए गर्व का विषय है और यह समाज में सकारात्मक बदलाव का उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की नियमित प्रैक्टिस एवं तैयारी में सहयोग देने वाले प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही पुलिस अधीक्षक को बच्चों को उपलब्ध कराए गए पुलिस सहयोग, सुरक्षा व्यवस्था एवं अनुशासनात्मक समर्थन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उम्मीद की कार्यक्रम प्रमुख डॉ रैना शर्मा ने कहा किइन बच्चों का लखनऊ तक पहुँचना केवल एक परेड नहीं, बल्कि संघर्ष से आत्मविश्वास तक की यात्रा है। प्रशासन और पुलिस के सहयोग से ही यह सपना साकार हो सका। सम्मान समारोह प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ और उपस्थित सभी लोगों ने बच्चों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर सीडीओ सर, एडीएम सर एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

01 फरवरी को नहीं होगा एसआईआर का विशेष अभियान दिवस

बदायूँ (सब का सपना):- जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 के द्वारा निर्देशित किया गया है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित विशेष अभियान तिथियों में से 01 फरवरी 2026 (रविवार) को संत रविदास जयंती होने कारण विशेष अभियान दिवस आयोजित नहीं किया जायेगा। 31 जनवरी 2026 (शनिवार) को आयोजित होने वाले विशेष अभियान की तिथि के संबंध में की जाने वाली कार्यवाहियां यथावत रहेगी। उन्होंने बताया कि आयोग के निदेर्शानुसार 06 जनवरी 2026 (मंगलवार) से 06 फरवरी 2026 (शुक्रवार) तक दावे और आपात्तियों प्राप्त की जानी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ०प्र० लखनऊ द्वारा 17 जनवरी 2026 (शानिवार), 18 जनवरी 2026 (रविवार), 31 जनवरी 2026 (शनिवार) तथा 01 फरवरी 2026 (रविवार) को विशेष अभियान की तिथि निर्धारित की गयी थी। अब एक फरवरी को संत रविदास जयंती होने के कारण विशेष अभियान दिवस नहीं होगा तथा 31 जनवरी को होगा।

दिल्ली के रिहायशी इलाकों का हाल, बारिश में 'मौत' के कुएं बन जाते हैं ये खुले नाले

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार इलाके में खुले नाले आज भी लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। नंदनगरी, अशोक नगर, गाजीपुर, कोंडली, कृष्णा नगर कई रिहायशी इलाकों में नाले खुले हुए हैं और हादसों को रोकने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। इससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। खासकर रात के समय जब रोशनी कम होती है, तब खुले नाले दिखाई नहीं देते और लोग अनजाने में इनके करीब पहुंच जाते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पैदल चलने वाले लोग, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक जोखिम में हैं। कई जगह नालों के किनारे न तो रेलिंग लगी है और न

ही कोई चेतावनी बोर्ड, जिससे हादसे की संभावना और बढ़ जाती है। बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है, क्योंकि पानी भर जाने से नाले और सड़क में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई लोगों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कुछ स्थानों पर अस्थायी तौर पर बांस या लकड़ी लगाकर रास्ता बंद करने की कोशिश की गई, लेकिन वह भी लंबे समय तक टिक नहीं पाई। नालों के आसपास गंदगी और बदबू के कारण संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। नंद नगरी निवासी राजेश कुमार का कहना है कि यदि नालों को ढकने और सुरक्षा इंतजाम करने की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने मांग की है कि रिहायशी इलाकों में खुले नालों को प्राथमिकता के आधार पर ढका जाए, साथ ही स्ट्रीट लाइट, रेलिंग और चेतावनी संकेत लगाए जाएं। प्रशासन की उदासीनता को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि जान-माल के नुकसान से बचा जा सके।

तेलंगाना में 1200 कुत्तों की हत्या के विरोध में दिल्ली में 'तेरहवीं', पशु प्रेमियों ने की न्याय की मांग

नई दिल्ली। तेलंगाना में कुत्तों की सामूहिक हत्या के विरोध में और दोषियों की जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर पशु कल्याण कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों ने यहां तेरहवीं का आयोजन किया। यह प्रार्थना सभा 27 जनवरी को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में पशु कल्याण कार्यकर्ता, पर्यावरणविद, पशु देखभालकर्ता, कानूनी विशेषज्ञ और बड़ी संख्या में जागरूक नागरिक शामिल हुए। प्रार्थना सभा के दौरान मृत सामुदायिक कुत्तों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा गया, दीप प्रज्वलित किए गए और न्याय की मांग उठाई गई। बयान के अनुसार, जनवरी और दिसंबर 2025 में तेलंगाना के कई जिलों से आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्या की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें अब तक करीब 1,200 कुत्तों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। इन हत्याओं को कथित तौर पर दिसंबर 2025 में हुए ग्राम पंचायत चुनावों से पहले ग्रामीणों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए अंजाम दिया गया, जिसमें आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने की बात कही गई थी। तेलंगाना की इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है और इससे सामुदायिक पशुओं के खिलाफ संगठित हिंसा के बढ़ते मामलों और मौजूदा पशु संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में विफलता उजागर हुई है। तेरहवीं को न सिर्फ शोक सभा, बल्कि एक नागरिक आह्वान के रूप में भी बताया गया, जिसमें सामुदायिक पशुओं को समाज का अभिन्न हिस्सा मानते हुए उनके जीवन के महत्व को स्वीकार करने की बात कही गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पशु संरक्षण कानूनों के सख्त पालन, मानवीय तरीके से कुत्तों की आबादी नियंत्रण और इस पूरे मामले में शामिल अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। पशु एवं पर्यावरण अधिकार कार्यकर्ता अजय ने कहा, तेलंगाना में जो हुआ, वह क्रूरता की कोई अलग-थलग घटना नहीं है। यह संस्थागत उदासीनता और जानवरों के खिलाफ हिंसा को सामान्य मान लेने का खतरनाक परिणाम है। यह तेरहवीं एक सशक्त संदेश है कि ये कुत्ते जीवित प्राणी थे, कानून द्वारा संरक्षित थे और उनकी मौत का हिसाब लिया जाना चाहिए। वहीं, पर्यावरण कार्यकर्ता तन्नुजा चौहान ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के व्यापक नैतिक और पर्यावरणीय प्रभाव होते हैं। सामुदायिक पशु हमारे पारिस्थितिक और सामाजिक ताने-बाने का हिस्सा हैं।

दिल्ली के जिस सिलाई कारखाने में बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की हदें पार, निगम ने उसे किया सील

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा थाना क्षेत्र में सिलाई के एक कारखाने में तीन नाबालिगों ने छह वर्ष की बच्चे से सामूहिक दुष्कर्म किया था। दिल्ली नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन ने सख्त कार्रवाई करते हुए कारखाने को सील कर दिया है। इसके साथ ही कारखाने के बिजली कनेक्शन को बीएसईएस से कटवा दिया है। निगम की कार्रवाई से पीड़ित परिवार व स्थानीय लोग संतुष्ट हैं। निगम उपायुक्त अभिषेक मिश्रा ने बताया कि भजनपुरा थाना क्षेत्र में चल रहे सिलाई के कारखाना संचालक को निगम ने गत माह नोटिस दिया था। संचालक ने नोटिस का जवाब नहीं दिया। गणतंत्र दिवस पर के कारण कार्रवाई के लिए निगम को पुलिस फोर्स नहीं मिली थी। निगम को सूचना मिली कि उस कारखाने में बच्ची से दुष्कर्म हुआ है। निगम ने कारखोन को सील कर दिया। इसके साथ ही निगम ने शिव विहार में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की। निगम ने पांच अवैध फैक्ट्रियों को सील किया। यहां पर प्लास्टिक व कांच को पिघलाया जा रहा था। इससे प्रदूषण फैल रहा था। निगम ने सील कर दिया। उपायुक्त ने कहा कि प्रदूषण को लेकर निगम गंभीर है। पिछले कई माह से प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ निगम की कार्रवाई जारी है। निगम ने एक पानी के अवैध प्लांट को सील किया है। सुभाष मोहल्ला वार्ड में भी प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियां सील की हैं।

दिल्ली में बारिश की संभावना, 11 डिग्री सेल्सियस तक गिरा न्यूनतम तापमान; अभी और ठिठुरन बढ़ने के आसार

नई दिल्ली। कड़ाके की सर्दी में गुरुवार सुबह भी दिल्ली वालों का हाल बेहाल रहा। हालांकि न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि हुई है। लेकिन मौसम विभाग की मानें तो एक तारीख को तेज हवाओं के साथ वर्षा होने के पूवार्नुमान के चलते ठंड का यह दौर अभी यूं ही बना रहेगा। गुरुवार सुबह भी कहीं मध्यम तो कहीं घना कोहरा देखने को मिला। इससे दृश्यता का स्तर भी प्रभावित हुआ। अल सुबह साढ़े तीन बजे आइजीआइ एयरपोर्ट पर दृश्यता महज 200 मीटर रह गई। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं अधिकतम तापमान 18 से 19 डिग्री के लगभग बना रह सकता है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बीच बीच मे धूप भी खिल सकती है। दूसरी तरफ दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिलहाल 'खराब' श्रेणी में ही चल रही है। आज सुबह नौ बजे सीपीसीबी ने 263 एक्यूआई दर्ज किया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। संभावना है कि अभी अगले कई दिन दिल्ली का एक्यूआई 'खराब' से 'मध्यम' श्रेणी में ही बरकरार रहेगा।

दिल्ली चिड़ियाघर का 400 करोड़ की लागत से होगा कायाकल्प, नए साइनबोर्ड से मिलेगी जानवरों की विस्तृत जानकारी

नई दिल्ली। नेशनल जूलॉजिकल पार्क (चिड़ियाघर) में आने वाले लोगों को अब सिर्फ. जानवरों को देखने से ज्यादा बेहतर अनुभव मिलेगा। उन्हें जानवरों की ज़िंदगी के बारे में डिटेल में और साइंटिफिक जानकारी भी मिलेगी। चिड़ियाघर के लिए एक बड़े रीडेवलपमेंट प्लान के तहत, जानवरों के बाड़ों के बाहर नए साइनबोर्ड लगाए जाएंगे, जो जानवरों के खाने, रहने की जगह, आदतों, व्यवहार और रोजाना की दिनचर्या के बारे में जानकारी देंगे। अधिकारियों के मुताबिक, चिड़ियाघर

में अभी लगे पुराने और खराब साइनबोर्ड को सबसे पहले बदला जाएगा। मौजूदा कई बोर्ड में पुरानी या अधूरी जानकारी है, जिससे आने वाले लोगों को जानवरों के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल पाती है। नए साइनबोर्ड इस तरह से डिजाइन किए जाएंगे कि वे आने वाले लोगों को जानवरों के नेचुरल रहने की जगह, कंजर्वेशन स्टेटस और उनके महत्व

दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में 400 करोड़ रुपये का पुनर्विकास हो रहा है। इसके तहत जानवरों के बारे में विस्तृत वैज्ञानिक जानकारी देने वाले नए साइनबोर्ड लगेंगे। दक्षिण अफ्रीका से अफ्रीकी शेर लाए

के बारे में बता सकें। रीडेवलपमेंट प्लान के तहत, आने वाले लोग जल्द ही साउथ अफ्रीका से लाए गए शेर देख पाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि अफ्रीकी शेरों के लिए इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से आधुनिक बाड़े तैयार किए जाएंगे। इन बाड़ों के बाहर लगे साइनबोर्ड आने वाले लोगों को शेरों के स्वभाव, शिकार करने की आदतों और नेचुरल जीवन चक्र के बारे में जानकारी देंगे। इसके अलावा, चिड़ियाघर में कई ऐसे जानवर हैं जो सालों से अकेले रह रहे हैं। इनमें एक भेड़िया, एक ग्रेट हॉर्नबिल, एक चित्तीदार हिरण, एक सैंड बोआ सांप, एक लेडी एमहर्स्ट तीतर और एक शुतुरमुर्ग शामिल हैं। प्रशासन इन जानवरों की मानसिक और शारीरिक सेहत को बेहतर बनाने के लिए दूसरे चिड़ियाघरों के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिए उनके लिए साथी लाने की योजना बना रहा है। चिड़ियाघर के रीडेवलपमेंट में लगभग 400 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस प्लान में एंट्री गेट को सुंदर बनाना और टूरिस्ट को बाड़ों तक ले जाने के लिए गाड़ियों का इंतजाम करना शामिल है। अधिकारियों का कहना है कि यह पूरी कोशिश चिड़ियाघर को सिर्फ मनोरंजन की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि जानवरों के कंजर्वेशन, शिक्षा और जागरूकता के एक जरूरी केंद्र के तौर पर विकसित करने की दिशा में एक कदम है।

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व जीतना इतना भी आसान नहीं रहेगा

कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतयी क्रिकेट टीम अगले माह अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इसे इतना आसान नहीं मानते हैं। भारतीय टीम अभी टी20 में नंबर स्थान पर है और उसने लगातार अपने मैच जीते हैं। वहीं रोहित ने कहा कि विश्वकप जीत की राह में कई कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही हैं। इसमें टीम के लिए विजयी संयोजन बनाना सबसे कठिन काम है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि स्पिन आक्रमण को लेकर हमें ध्यान रखना होगा। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो दिग्गज स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण को रखा जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।

रोहित के मुताबिक, अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और वरुण दोनों को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो उसे केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टी20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं

रोहित ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और नियंत्रण बनाए रखना कठिन हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

साथ ही कहा कि अगर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों को एक साथ ही रखा जाता है तो टीम संतुलन बिगड़ सकता है क्योंक अर्शदीप सिंह जैसे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को बाहर करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय टीम को जसप्रीत बुमराह के साथ हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों को लगाना होगा। रोहित के अनुसार, यह फैसला आसान नहीं होगा

क्योंकि हर खिलाड़ी अपनी जगह पर विश्व-स्तरीय है।साथ ही कहा कि वर्तमान हालतों में भारतीय टीम के लिए एक तय अंतिम ग्यारह बना दी जाये तो उसमें भी नुकसान है। उसकी जगह हालातों के अनुसार अंतिम ग्यारह तय करनी होगी।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं: बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है।

उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है।'

वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए।' गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में सैमसन की जगह ईशान किशन को शामिल करें : पार्थिव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में खराब फॉर्म से गुजर रहे संजू सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल कर पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। पार्थिव ने टीम प्रबंधन को सलाह दी है उस इस मैच में सैमसन की जगह पर ईशान को शामिल करना ही फायदेमंद होगा। सैमसन को बाहर करने की मांग इसलिए हो रही है क्योंकि वह पहले ही तीनों मैचों में विफल रहे है। चार मुकाबलों में पारी की शुरुआत करते हुए सैमसन केवल 39 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में प्रबंधन के ऊपर अंतिम टी20 में सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को पारी की शुरुआत के लिए भेजे जाने का दबाव है। ईशान ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में वापसी की है। वहीं . इस सीरीज में सैमसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अब तक चार मैचों में वह केवल 10, 6, 0 और 24 रन बना पाये हैं। पार्थिव का मानना है कि अंतिम मैच में ईशान को अवसर देने से अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले उनके फार्म का भी अंदाज हो जाएगा।.

पार्थिव ने कहा कि अगर पांचवे मैच में ईशान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो उन्हें विश्वकप में मुख्य विकेटकीपर बनाया जा सकता है। ईशान की दो साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। वहीं इस सीरीज में अब तक ईशान ने तीन मैच खेले हैं, जिनमें उनके स्कोर 8, 76 और 28 रन बनाये हैं। पार्थिव पटेल ने कहा, 'अगर मुझे फैसला लेना होता तो मैं अंतिम मैच में सैमसन की जगह ईशान को शामिल करता। अगर टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान को मुख्य विकेटकीपर बनाना है, तो पांचवें टी20 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्हें ही विकेटकीपिंग देनी होगी।'

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, शिवम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी

उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं।' कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं। हम पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते थे कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अगर विकेट गिरते हैं तो टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।'

अभी फिलहाल संन्यास नहीं लेंगे केएल राहुल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है जब समय सही आयेगा वह खेल को अलविदा कहने में देर नहीं करेंगे। 33 साल के राहुल ने कहा कि अभी वह समय नहीं आया है और जब आयेगा तो वह फैसला लेने में देर नहीं करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि खेल के अलावा भी जीवन में काफी कुछ है। इसलिए संन्यास का फैसला लेना उनके लिए कठिन नहीं रहेगा। राहुल ने पीटरसन से कहा, 'मैंने एक समय संन्यास के बारे में भी सौचा था पर मुझे नहीं लगता कि इसका फैसला कठिन होगा। साथ ही कहा कि अगर आप अपने प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे नहीं टालेंगे।' राहुल ने कहा कि वह अपने को एक बड़ा स्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिसके कारण उनके लिए भविष्य में संन्यास का फैसला आसान रहेगा। उन्होंने कहा, ' वह शांति से संन्यास लेकर जीवन

का आनंद लेना चाहते हैं। उनका मानना है कि परिवार भी साथ है, इसलिए बस वही करो जो अच्छा लगता हो।' राहुल ने कहा, 'हमारे देश और दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा पर जीवन में इससे आगे भी काफी कुछ है। मुझे लगता है कि मेरी ये सोच हमेशा से रही है पर जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह से ही बदल गया है। यही मेरी सोच है।' वह अपनी फिटनेस को लेकर भी संघर्ष करते रहे हैं। जिसके कारण उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है।

मोइन ने यॉर्कशायर की ओर घरेलू क्रिकेट खेलेंगे संन्यास से वापसी की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली अब एक बार फिर घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। मोइन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास के अपने फैसले को बदलते हुए कहा है कि इस सत्र के लिए काउंटी क्लब यॉर्कशायर से अनुबंध किया है। ये अनुबंध अगले एक साल तक बढ़ाया जा सकता है। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भी मोईन के साथ करार की पुष्टि की है। क्लब ने अपने एक बयान में कहा, मैं वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है पर जो बात मुझे सबसे ज्यादा अच्छी लग रही है वह टीम का लगातार आगे बढ़ना है। टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस क्लब की ओर से खेलना उनके लिए खुशी की बात होगी। साथ ही कहा कि मुझे

हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में सहायता करना चाहता हूं। यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और मेरा प्रयास इस बार टीम को जीत में सहायता करना है पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से यॉर्कशायर आठवें स्थान पर रही थी। वहीं यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं उनका प्रभाव मैदान पर काफी ज्यादा होता है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। उनके आने से टीम के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा।

हर्षित हर मैच के साथ बेहतर हो रहे : कोच कोच श्रवण

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कोच ने कहा है कि हर्षित हर मैच के साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहा है उससे उन्हें काफी खुशी हुई है। कोच के अनुसार हर्षित गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज़ी में भी निरंतर बेहतर हो रहे हैं। श्रवण हर्षित राणा के साथ ही अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ ईशांत शर्मा के भी कोच रहे हैं। राणा ने नई गेंद से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभावित किया है। इस युवा तेज गेंदबाज ने एकदिवसीय के साथ ही टी20 में भी अच्छा खेला है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में हर्षित ने 6 विकेट लिए थे। वहीं टी20 सीरीज़ में दो मैचों में उन्होंने 2 विकेट लिए थे। श्रवण ने कहा, राणा हर दिन के साथ ही बेहतर हो रहा है। उसे जितना अधिक खेलने को मिलेगा उतना ही बेहतर होता जाएगा। राणा ने अब तक 14 एकदिवसीय मैचों में 26 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.38 रहा है। उनकी इकॉनमी रेट 6.21 रही है। इसके अलावा 8 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 विकेट, और 2 टेस्ट में 4 विकेट लिए हैं। राणा बड़े शॉट लगाने के कारण भी नजरों में आये हैं। हर्षित ने वह बड़े-बड़े छक्के लगाने में सक्षम हैं। एकदिवसीय में नंबर आठ पर खेलते हुए सात पारियों में इस क्रिकेटर ने 124 रन, औसत 24.80 और 121 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक अर्धशतक लगाया है। टी20 में भी उन्होंने दो पारियों में 48 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 35 रन रहा। इस क्रिकेटर ने सीरीज़ के पहले एकदिवसीय में विराट के आउट होने के बाद 23 गेंदों में 29 रन बनाकर पारी को संभाला। कोच के अनुसार हर्षित को सफल ऑल-राउंडर बनने के लिए अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव शुरुआत में अंतिम स्थान पर उतरते थे पर अपनी प्रदर्शन से वह शीर्ष पर पहुंचे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ।

जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है।

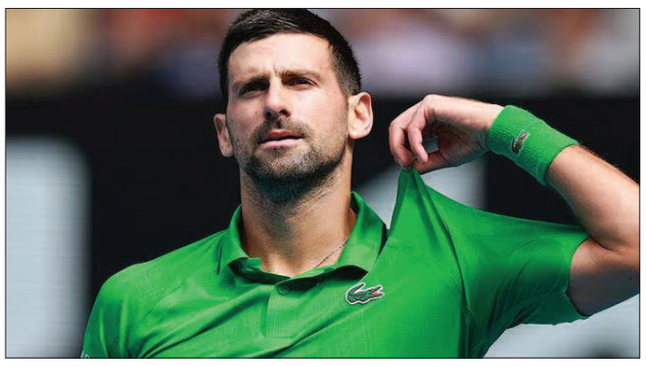

जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।' जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए। बृज भूषण के वकील द्वारा मुख्य वकील की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता द्वारा इस मामले पर अभी तक बहस क्यों नहीं की गई है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, 'आप इस पर बहस क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने याचिका दाखिल की है, लेकिन इस पर एक बार भी बहस नहीं हुई है।' इस पर बृज भूषण के वकील ने भरोसा दिलाया कि अगली तारीख

पर याचिका पर बहस की जाएगी। अदालत ने साफ कहा, 'कोई रोक नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई स्थगन नहीं है।' सिंह ने वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि जांच पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई और केवल पीड़ितों के बयानों को ही आधार बनाया गया, जो उनसे बदला लेना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों की सच्चाई की जांच किए बिना ही निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दी गई। निचली अदालत ने 21 मई, 2024 को यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए। इस मामले में सह-आरोपी और WFI के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया था। दिल्ली पुलिस ने मई 2023 में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सिंह के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

विराट के साथ खेले अजितेश आजकल अंपायरिंग कर रहे

नवी मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अजितेश अर्गल आजकल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अंपायरिंग कर रहे हैं। अजितेश ने अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वह साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे। अजितेश ने तब भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में अजितेश ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो बड़े विकेट झटके थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था।उस समय यह माना जा रहा था कि वह शीघ्र ही भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाएंगे पर ऐसा हुआ नहीं। वर्ल्ड कप की सफलता के बाद अजितेश को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने अपनी टीम में शामिल किया पर एक भी मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बड़ौदा की ओर से खेला था। उन्होंने अपने करियर में कुल 10 फर्स्ट क्लास, 6 टी-20 और 3 लिस्ट- मैच खेले, जिनमें उन्होंने 29 विकेट लिए। उन्होंने अपना अंतिम पेशेवर मैच साल 2015 में खेला था।क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अजितेश आयकर अधिकारी के तौर पर काम करने लगे पर अधिक समय खेल से दूर नहीं रह पाये। साल 2023 में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा पास की और अब वे एक बार फिर रेफरी और अंपायर की भूमिका में दिख रह हैं। इस डब्यूपीएल सत्र में उन्होंने गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के मैचों में अंपायरिंक की है।

ओलंपिक 2036 दावेदारी : एक्वाटिक्स, नौकायन, साइकिलिंग पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत करने के लिये पदक रणनीति में भी बदलाव किये जा रहे हैं ताकि एक्वाटिक्स और साइकिलिंग जैसे खेलों में भी मजबूती से उपस्थिति दर्ज कराई जा सके जिनमें आम तौर पर प्रदर्शन औसत रहता है । इन दोनों खेलों में सौ से अधिक ओलंपिक पदक दाव पर लगे होते हैं लेकिन भारत की झोली खाली ही रहती है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, 'अगर हमारे देश में ओलंपिक होते हैं और हमारे खिलाड़ी छह पदक लेकर 71वें स्थान पर रहते हैं तो क्या यह अच्छा लगेगा, जैसा पेरिस (2024) में हुआ था। हमें इस पर तुरंत गौर करना होगा।' सूत्र ने कहा, 'मेजबान देश ओलंपिक में अपना प्रदर्शन बेहतर करने पर जोर देते हैं ताकि अपने देश में होने वाले खेलों में मैदान पर भी उनका परचम लहराए।'

चीन ने 2008 बीजिंग ओलंपिक से ऐसे खेलों में अपने प्रदर्शन में सुधार किया जिसमें अतीत में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इनमें मुक्केबाजी, केनोइंग और तीरंदाजी शामिल है। सूत्र ने कहा, 'भारत अपने खेलों के सफर में एक अहम मोड़ पर है और चुनौती यह पक्का करना है कि हम यहां से ऊपर उठें, नीचे न गिरे। बुनियादी ढांचा चिंता का विषय नहीं है, यह सबसे आसान काम है और शायद सबसे अधिक दिखने वाला भी, इसीलिए इसके प्रति जुनून है। बड़ी चिंता एक खेल देश के रूप में हमारे दर्जे की है।' इसलिए अब फोकस स्कूलों पर होगा जहां से 2036 ओलंपिक के भावी सितारे निकलेंगे।

उन खेलों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जिनमें भारत का प्रदर्शन खास नहीं रहा है लेकिन जिनसे पदक मिल सकते हैं। इसके लिए एक्वाटिक्स, नौकायन और साइकिलिंग प्राथमिकता में हैं। एक्वाटिक्स में तैराकी, गोताखोरी, वाटरपोलो, कलात्मक तैयारी और ओपन वॉटर तैराकी शामिल है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में 36 स्पर्धाओं के 350 से अधिक कुल पदकों में से 55 दाव पर होंगे।

नौकायन में 15 स्पर्धाओं में 45 और साइकिलिंग में 22 स्पर्धाओं में 66 पदक दाव पर होंगे। सूत्र ने कहा, 'हम उन खेलों पर फोकस करना चाहते हैं जिनमें अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके यह मायने नहीं हैं कि हम मुक्केबाजी, कुश्ती या निशानेबाजी की उपेक्षा करने जा रहे हैं। लेकिन अधिक पदक देने वाले खेलों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।'

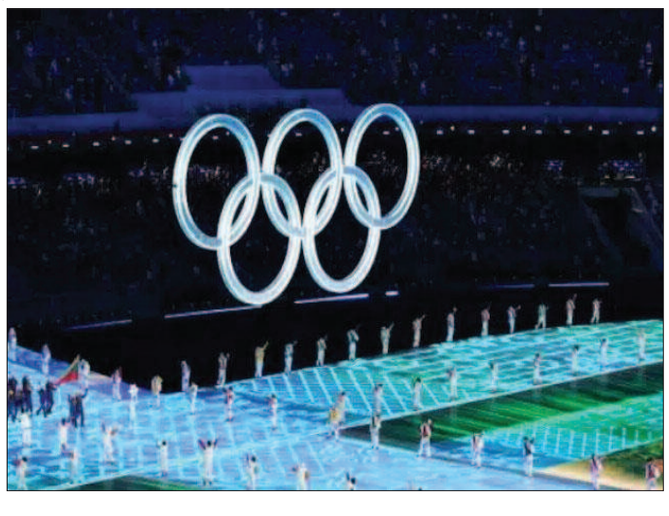

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबॉल में भी बनाये हैं रिकार्ड

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबॉलर भी रही हैं। एलिस ने साल 2013 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबॉल में खेला है। एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था। यह गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबॉल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है।, तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी ने किया था। वहीं साल 2014 में पेरी ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नॉकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। . उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है। वहीं पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

सुंदर सी की फिल्म पुरुषन में नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया और निर्देशक सुंदर सी फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम पुरुषन है। बुधवार को इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हुई और साथ ही धमाकेदार एक्शन के साथ टीजर भी जारी किया गया। पुरुषन फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर है, जैसा की टीजर में दिखाया गया है। एक्टर विशाल का रोल एक शांत और आज्ञाकारी पति का है, जो घर में सारा काम करता है। लेकिन उसके अंदर एक छिपा हुआ हिंसक और एक्शन वाला इंसान है, जिसके बारे में उसकी दबंग पत्नी (तमन्ना) को शायद पता नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि वह घर की रसोई में ही गुंडों से लड़ता है। फिल्म पुरुषन का निर्माण एसीएस अरुण कुमार ने बेन्ज मीडिया के तहत किया है। इसमें खुशबू सुंदर भी शामिल हैं। संगीत हिपहॉप तमिझा ने दिया है, कैमरा गोपी अमरनाथ ने संभाला है और एडिटिंग रोजर कर रहे हैं। इस फिल्म में योगी बाबू भी हैं, जिससे और मजा आने की उम्मीद है। अभी फिल्म की रिलीज डेट नहीं बताई गई है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सुंदर सी और विशाल

यह विशाल और सुंदर सी की एक साथ चौथी फिल्म है। पहले वे आंबला, एक्शन और मधा गज राजा जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फैंस को हमेशा विशाल-सुंदर सी की हिट जोड़ी की फिल्म का इंतजार रहता है। तमन्ना के फैंस बेसब्री से उनकी फिल्म पुरुषन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

तस्करी में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज तस्करी में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। तस्करी को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है। जोया अफरोज ने कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म हम साथ-साथ हैं के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया। जोया ने बताया कि फिल्म कुछ ना कहो समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा। जोया ने कहा, इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज तस्करी जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। तस्करी में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है। जोया ने कहा, यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा। उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है। इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं। अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। तस्करी मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

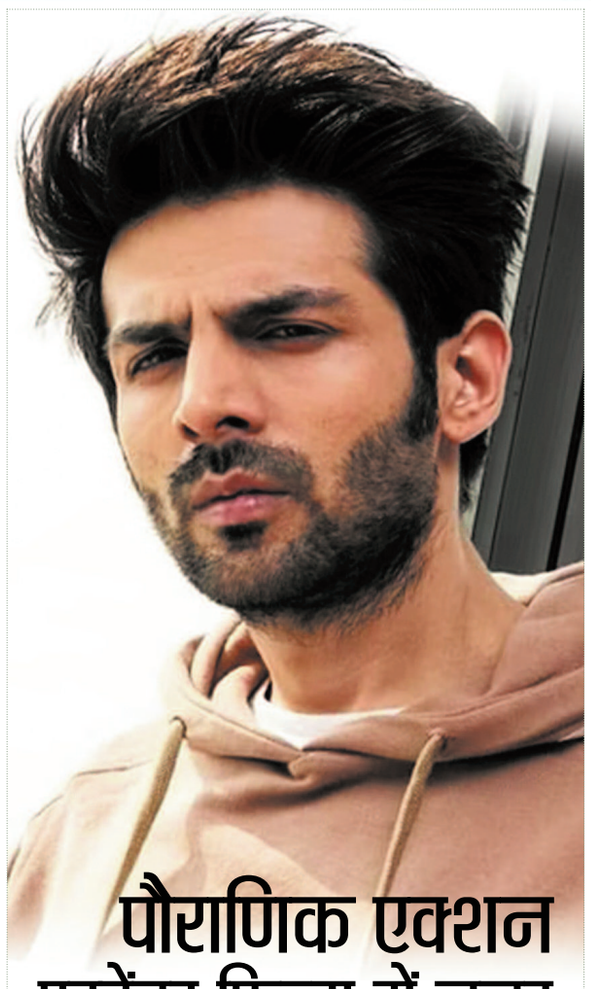

पौराणिक एक्शन एडवेंचर फिल्म में नजर आ सकते हैं कार्तिक

कार्तिक आर्यन अब एक नए प्रोजेक्ट के जरिए दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने की तैयारी कर रहे हैं। उनके पास पहले से ही नागजिला और अनुराग बसु की म्यूजिकल फिल्म हैं। अब खबर है कि वह पौराणिक एक्शन-एडवेंचर फिल्म में नजर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार... फिल्म निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ने कार्तिक को यह अनूठा प्रोजेक्ट ऑफर किया है। यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं पर बेस्ड होगी और इसमें एक्शन और एडवेंचर का मिश्रण होगा। बताया जा रहा है कि कार्तिक और निखिल के बीच बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और सब-कुछ ठीक रहा तो अभिनेता जल्द ही कॉन्ट्रैक्ट पर साइन कर देंगे। इसके अलावा फिल्म के निर्माण के लिए एक बड़े स्टूडियो के साथ बातचीत भी चल रही है, जो काफी आगे तक पहुंच चुकी है। फिलहाल कार्तिक आर्यन, करण जौहर की फिल्म नागजिला में बिजी हैं।

फिल्म मर्दानी 3 की रिलीज से पहले अनुष्का शर्मा ने की रानी मुखर्जी की तारीफ

यशराज फिल्म्स की मर्दानी फ्रेंजाईजी की पिछली दो फिल्में काफी पसंद की गई हैं। अब इसकी तीसरी किस्त रिलीज को तैयार है। एक बार फिर रानी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापसी कर रही हैं। मजबूत इरादों के साथ वे एक नए मिशन पर निकली हैं। फिल्म की रिलीज से पहले अनुष्का शर्मा ने भी फिल्म के प्रति उत्साह जताया है।

अनुष्का ने रानी मुखर्जी की तारीफ में कहा...

अनुष्का शर्मा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रानी मुखर्जी की तारीफ करते हुए फिल्म मर्दानी 3 के लिए एक्साइटमेंट जाहिर किया है। उन्होंने लिखा है कि वे रानी मुखर्जी की अदाकारी को बेहद पसंद करती हैं। अनुष्का ने फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, बधाई हो, रानी! मैंने हमेशा आपके काम और आप जो भी करती हैं, उसमें आपकी गरिमा की तारीफ की है। आपके लिए आगे जो कुछ भी है, उसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

कब रिलीज होगी मर्दानी 3

फिल्म मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म मर्दानी 3 में शिवानी शिवाजी रॉय (रानी मुखर्जी) भीख मांगने और चाइल्ड ट्रैफिक गैंग का सफाया करने के मिशन पर निकली हैं। फिल्म की कहानी रूह कपा देने वाली है। इसमें भिखारियों की माफिया गैंग एक महिला है, जिसे लोग अम्मा कहते हैं। विलेन अम्मा की भूमिका एक्ट्रेस मल्लिका प्रसाद सिन्हा ने निभाई है।

यशराज फिल्म्स के साथ शुरू किया था अनुष्का ने करियर

अनुष्का शर्मा के करियर की शुरुआत यशराज फिल्म्स के साथ हुई। अभिनेत्री ने साल 2008 में आई फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में कदम रखा था। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्देशित फिल्म को यशराज बैनर के तले बनाया गया। इसमें अनुष्का को शाहरुख खान के अपोजिट कास्ट किया गया था।

धनुष की अगली फिल्म का टाइटल होगा कारा

साउथ के सुपरस्टार धनुष की अगली फिल्म को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। फिल्म को फिलहाल डी54 कहा जा रहा था, लेकिन अब मेकर्स ने इसका ऑफिशियल टाइटल और पहला पोस्टर जारी कर दिया है। धनुष की फिल्म का टाइटल कारा रखा गया है। फिल्म का निर्देशन विग्नेश राजा कर रहे हैं। रिलीज हुए पोस्टर में धनुष का लुक काफी अलग और बेहद इंटेंस नजर आ रहा है। पोस्टर में वह हाथ में हथियार लिए दिखाई दे रहे हैं और उनके चारों तरफ आग की लपटें हैं। जानकारी के मुताबिक... फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल इसका पोस्ट- प्रोडक्शन काम चल रहा है। फिल्म का म्यूजिक मशहूर म्यूजिक कंपोजर जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है, जो इससे पहले पराशक्ति जैसी फिल्मों में अपना कमाल दिखा चुके हैं। फिल्म की कहानी भी निर्देशक विग्नेश राजा ने खुद लिखी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष लगातार अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में नजर आ रहे हैं। जहां कारा में वह एक्शन अवतार में दिखेंगे।

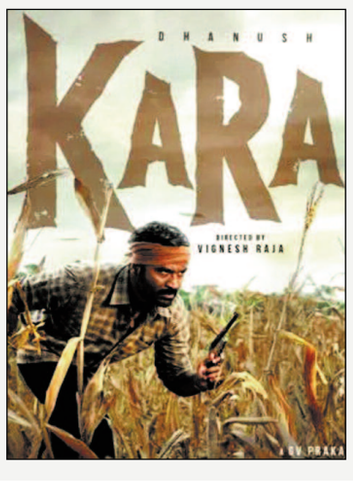

इमरान हाशमी ने बॉलीवुड को लेकर किया खुलासा

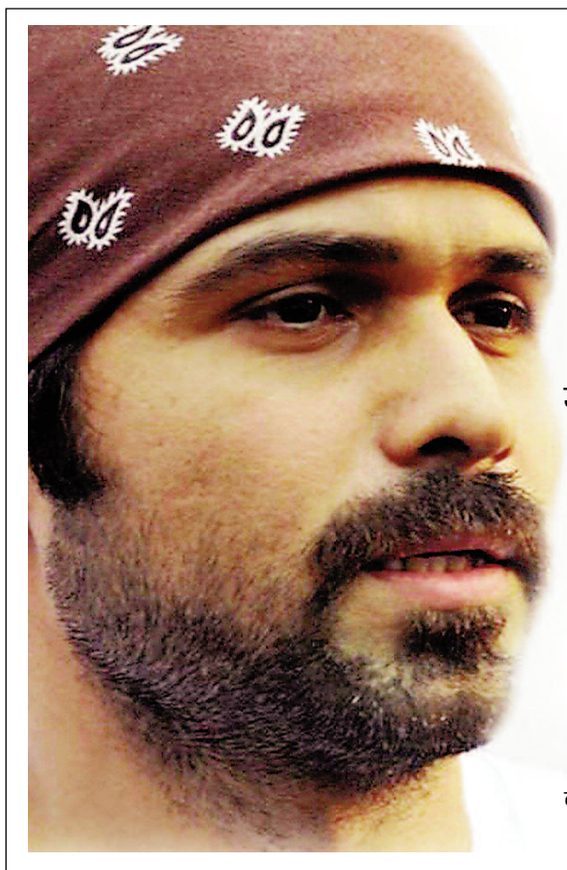

इमरान हाशमी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब' में नजर आए हैं। इसी बीच उन्होंने खास बातचीत में फिल्म इंडस्ट्री के तौर तरीकों पर बात की। इमरान ने 'तस्करी' वेब सीरीज से जुड़े अनुभव साझा किए। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों की बदलती कहानियों और सोशल मीडिया की तीखी प्रतिक्रियों पर भी अपनी राय रखी।

सीरीज 'तस्करी' आपके लिए क्या नया लेकर आई?

मुझे अंदाजा ही नहीं था कि यह दुनिया इतनी रॉ और रियल होगी। एयरपोर्ट और कस्टम में चीजें किस तरह होती हैं यह आम नागरिकों को कभी पता नहीं चलता। स्मगलिंग का सामान देश में किस तरह अंदर आता है, यह भी हमें सिर्फ खबरों में पढ़ने को मिलता है। लेकिन इस वेब सीरीज के लिए टीम ने जिस स्तर पर रिसर्च की वह बहुत चौंकाने वाला था। कस्टम अफसर कैसे काम करते हैं और पूरी प्रोसेस कैसे चलती है...यह सब जानना मेरे लिए नया और अलग अनुभव था।

आज इंडस्ट्री को पहले से कितना बदला हुआ पाते हैं?

परिभाषा बहुत बदल गई है। मैंने जब शुरुआत की थी तब लीड हीरो की एक तय इमेज होती थी। हीरो आता था, हालात पलट देता था और कहानी पूरी हो जाती थी लेकिन आज का समय इससे बहुत अलग है। ओटीटी ने ऑडियंस का टेस्ट बदल दिया है। कोविड के बाद ऑडियंस ने दुनिया भर का कंटेंट देखा है। अब लीडिंग मैन सिर्फ हीरो नहीं होता, बल्कि उसका किरदार स्पष्ट और गहराई वाला लिखना पड़ता है। कई किरदारों वाली फिल्में बन रही हैं और एक ही जॉनर में कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। यह बदलाव इंडस्ट्री के लिए अच्छा है।

सोशल मीडिया की नकारात्मकता और ट्रोलिंग का कितना असर पड़ता है?

बहुत ज्यादा असर पड़ता है। सोशल मीडिया आज सबसे ज्यादा शोरगुल से भरा मंच बन चुका है। यहां ट्रोलिंग होती है, नकारात्मक जानकारी और गलत बातें भी तेजी से फैल जाती हैं। फैन आपस में भिड़ भी जाते हैं। पहले ऐसा माहौल नहीं था। मैं एक साधारण माहौल से आता हूं, इसलिए यह लगातार बढ़ता डिजिटल शोर कई बार मानसिक रूप से थका देता है।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री सच में एकजुट नहीं है?

हां, ऐसा ही लगता है। फिल्म इंडस्ट्री एकजुट नहीं है। यहां लोग सामने कुछ नहीं कहते, लेकिन पीठ पीछे बहुत बातें होती हैं। इंडस्ट्री में खींचतान की मानसिकता बहुत आम है। अगर कोई अच्छा काम कर रहा हो तो कई लोग उसे नीचे लाने की कोशिश करते हैं। यह सोच कि अगर मेरे पास नहीं है तो दूसरे के पास क्यों हो, अभी भी यहां मौजूद है और यह अच्छी बात नहीं है।

बॉक्स ऑफिस नंबर और ओटीटी व्यूअरशिप का प्रेशर आप कैसे संभालते हैं?

देखिए, दबाव हमेशा रहता है लेकिन वैसा नहीं जैसा लोग बाहर से समझते हैं। जब आप कोई फिल्म करते हैं, तो बस यही उम्मीद होती है कि ऑडियंस उसे स्वीकार करे। सच यह है कि कोई नहीं जानता कि फिल्म थिएटर में चली या ओटीटी पर पसंद की जाएगी। अगर आप हर समय इसके बारे में सोचते रहेंगे, तो आपका ध्यान काम से हट जाएगा। यह सब आपके कंट्रोल में नहीं होता। आपकी जिम्मेदारी बस ईमानदारी से अपना काम करना है। फिर आज यह समझना और भी मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार को आंकड़े आते ही सभी चिंतित हो जाते हैं। प्रोड्यूसर को भी इसी बात की चिंता रहती है कि अगर फिल्म अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई तो आगे क्या होगा? ओटीटी पर भी यही दबाव होता है। अगर पहले वीकएंड में व्यूअरशिप कम रहती है, तो शो या फिल्म की सक्सेस धीमी हो जाती है। इंडस्ट्री में अब सब कुछ आंकड़ों पर बेस्ड है।

क्या सोशल मीडिया फिल्म की किस्मत भी बदल देता है?

हां, बिल्कुल। आजकल कई फिल्में कंटेंट की वजह से नहीं बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पहले तीन दिनों में ही नुकसान झेलती हैं। लोग फिल्म देखे बिना ही फैसला सुना देते हैं। कई बार समझ ही नहीं आता कि इतनी नेगेटिविटी क्यों और कहां से आती है। क्या दुनिया हमेशा ऐसी थी या अब नेगेटिव होना एक आदत बन गया है, इसका जवाब मेरे पास नहीं है। लेकिन इतना जरूर समझ में आता है कि अगर आप इसमें बहुत अधिक ध्यान देंगे तो यह आपको मानसिक तौर पर परेशान कर देगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।